ऋणपत्रों का निर्गम एवं मोचन

2

अधिगम उद्देश्य

इस अध्याय को पढ़ने के उपरांत आप :

- *ऋणपत्र पूंजी से आश्य तथा ऋणपत्र एवं अंशों के बीच अंतर बता सकेंगे।*
- *विभिन्न प्रकार के ऋणपत्रों का वर्णन कर सकेंगे।*
- *ऋणपत्र के निर्गम को सममूल्य, बट्टा तथा प्रीमियम के साथ रोजनामचा की प्रविष्टियाँ दर्ज कर सकेंगे।*
- *नकदी के अलावा ऋणपत्र के निर्गम की संकल्पना की व्याख्या और लेखांकन कर सकेंगे।*
- *संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में ऋण पत्र के निर्गम की संकल्पना की व्याख्या और लेखांकन कर सकेंगे।*
- *ऋणपत्र के निर्गम को निर्गम की विभिन्न स्थितियों तथा मोचन की अवधियों के साथ रोजनामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित कर सकेंगे।*
- *कंपनी के तुलन पत्र में ऋणपत्र के निर्गम से संबंधित मद को दर्शा सकेंगे।*
- *ऋणपत्र निर्गमन पर बट्टा/हानि के अपलेखन की विधियों की व्याख्या कर सकेंगे।*
- *ऋणपत्र के मोचन की विधियों की व्याख्या और लेखांकन कर सकेंगे।*
- *निक्षेप निधि की संकल्पना ऋणपत्रों के मोचन में इसके उपयोग की व्याख्या और लेखांकन कर सकेंगे।*

एक कंपनी अपनी पूँजी अंशों के निर्गम द्वारा निर्मित करती है। लेकिन अंश निर्गम द्वारा उगाहे गए फंड कभी-कभी कंपनी की दीर्घकालिक वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं होते हैं। इसीलिए अधिकतर कंपनियाँ ऋणपत्रों के माध्यम दीर्घकालिक फंड का निर्माण करती हैं जो कि या तो निजी व्यवस्था का रास्ता अपनाती है या फिर उसे सार्वजनिक रूप से जनता से प्राप्त करती है। ऋणपत्रों के माध्यम से उगाहा गया वित्त दीर्घकालिक ऋण के नाम से भी जाना जाता है। यह अध्याय ऋणपत्रों के निर्गम एवं मोचन और अन्य संबंधित पहलूओं पर विचार करता है।

उपखंड 1

2.1 ऋणपत्र का आशय

ऋणपत्र : 'ऋणपत्र' (डिबेंचर) शब्द लैटिन भाषा के 'डिबेयर' शब्द से लिया गया है जिसका तात्पर्य कर्ज़ लेना है। ऋणपत्र एक लिखित विपत्र है जो कंपनी की सामान्य मोहर के अंतर्गत एक ऋण का अभिज्ञान कराता है। इसमें एक विशिष्टीकृत अवधि के बाद या एक मध्यावधि पर या कंपनी के एक विकल्प पर परिशोधन और एक स्थिर दर पर ब्याज चुकौती के लिए जोकि सामायन्तः अर्द्धवार्षिक या वार्षिक तिथि पर देय होता है, एक अनुबंध समाहित रहता है। कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 2(12) के अनुसार 'ऋणपत्र' (डिबेंचर) के अंतर्गत ऋणपत्र स्टॉक, बाँड (बंध-पत्र) तथा एक कंपनी की अन्य प्रतिभूतियाँ शामिल होती है जोकि कंपनी की परिसंपत्तियों पर एक प्रभार संघटित कर सकती है अथवा नहीं।

ई.थामस – ''एक ऋणपत्र कंपनी की मोहर के अंतगर्त एक प्रलेख है जो नियमित अवधि के अंतराल से चुकौती के लिए

© NCERT not to be republished

एक परिलक्षित (मूल राशि) एवं ब्याज को उपलब्ध कराता है जोकि प्राय: कंपनी की परिसंपत्ति से एक स्थिर या चल प्रभार पर सुरक्षित होता है जो कि एक कंपनी ऋण को अभिज्ञापित करता है।''

टोफॉम: ऋणपत्र एक प्रलेख है जो कंपनी के द्वारा प्राय: धारक द्वारा प्राप्त ऋण के प्रमाण के रूप में दिया जाता है और सामान्यत: एक प्रभार द्वारा सुरक्षित होता है।''

चिट्टी जे. ''ऋणपत्र का तात्पर्य एक ऐसे प्रलेख से है जो कि या तो ऋण निर्मित करता है या उसे अभिस्वीकृत करता है और ऐसा कोई भी प्रलेख जो इन दोनों ही परिस्थितियों को पूरा करता हो''

बांड: बांड भी एक लिखित प्रपत्र है जो ऋण का अभिज्ञान करता है। परंपरागत रूप मे बांड केवल सरकार द्वारा निर्गमित किये जाती है। किंतु अब अर्ध-सरकारी और गैर-सरकारी संस्थाओं द्वारा ऋण के प्रमाण के रूप में जारी किये जाते हैं। 'ऋणपत्र' और 'बांड' अब, शब्दों का प्रयोग अंतर्बदल किया जा रहा है।

2.2 अंश और ऋणपत्र के बीच अंतर

स्वामित्व– एक अंश धारक कंपनी का स्वामी होता है जबकि ऋणपत्र धारक केवल एक ऋणदाता (लेनदार) होता है। अंश स्वामित्व पूंजी का एक अंग है जबकि ऋणपत्र एक कर्ज प्राप्त पूंजी का हिस्सा है।

प्रतिफल– अंश पर प्रत्याय को लाभांश के नाम से जाना जाता है जबकि ऋणपत्र पर पत्याय को ब्याज के नाम से जानते हैं। अंश पर प्राप्त होने वाले प्रतिफल की दर भिन्न वर्षों में विभिन्नता पूर्ण हो सकती है जोकि कंपनी के लाभ पर निर्भर करती है जबकि ऋणपत्रों पर ब्याज की दर स्थिर होती है। लाभांश का भुगतान लाभ का एक विनियोजन होता है जबकि ब्याज का भुगतान लाभ पर एक प्रभार है और इसे तब भी चुकाया जाना होता है चाहे कंपनी में कोई भी लाभ नहीं हुआ हो।

परिशोधन या चुकौती– सामान्यत: अंश की राशि की वापसी परिशोधन कंपनी के जीवन भर नहीं होती है जबकि ऋणपत्र का निर्गम एक विशिष्ट अवधि के लिए होता है और ऋणपत्र उस अवधि के बाद शोध्य होते हैं। हालांकि कंपनी अधिनियम 1956 में किए गए 1998 वे संशोधन में कंपनियों को बाजार से अपने अंश वापस खरीदने की अनुमति प्रदान कर दी थी, विशेषरूप से ऐसा तब करने की अनुमति है जब बाजार में उसके अंश का मूल्य पुस्तक मूल्य से कम हो।

मतदान अधिकार– अंश धारकों को मतदान का अधिकार होता है जबकि ऋणपत्र धारक प्राय: किसी भी तरह के मतदान अधिकार का लाभ नहीं पाते हैं।

निर्गम पर बट्टा : अंश एवं ऋणपत्र दोनों ही एक बट्टे पर निर्गमित किए जा सकते हैं। हालांकि, अंशों का निर्गमन कंपनी अधिनियम 1958 की धारा 79 के प्रावधान के अनुसार अनुकूल बट्टे पर निर्गमित किया जा सकता है जो कि अनुबद्ध करता है कि बट्टे की दर निश्चित रूप से अंकित मूल्य के 10% से अधिक नहीं होनी चाहिए।

सुरक्षा– अंश किसी भी प्रकार से सुरक्षित नहीं होता है जबकि ऋणपत्र प्राय: सुरक्षति होता है और कंपनी की परिसंपत्तियों के ऊपर एक स्थिर या चल प्रभार का वहन करता है।

© NCERT not to be republished

परिवर्तनीयता– अंश को ऋणपत्र के रूप में नहीं परिवर्तित किया जा सकता है जबकि ऋणपत्र को अंश में परिवर्तित किया जा सकता है, बशर्ते कि निर्गम के नियम ऐसी व्यवस्था रखते हों और तब ऐसे मामले में इन्हें परिवर्तनीय ऋणपत्र के नाम से जाना जाता है।

2.3 ऋणपत्रों के प्रकार

एक कंपनी विभिन्न प्रकार के ऋणपत्र जारी कर सकती है जिन्हें निम्नानुसार वर्गीकृत किया जा सकता है।

2.3.1 सुरक्षा के दृष्टिकोण से

(क) *रक्षित ऋणपत्र:* रक्षित ऋणपत्रों का आशय उन ऋणपत्रों से है जहाँ भुगतान की अदायगी न कर पाने की स्थिति के उद्देश्य से कंपनी की परिसंपत्तियों पर एक प्रभार स्थापित किया जाता है। यह प्रभार स्थिर या चल हो सकता है। एक स्थिर प्रभार एक विशिष्ट परिसंपत्ति पर स्थापित किया जाता है जबकि चल प्रभार कंपनी की सामान्य परिसंपत्तियों पर स्थापित किया जाता है। स्थिर प्रभार उन परिसंपत्तियों के प्रति स्थापित किया जाता है जो कि कंपनी के द्वारा प्रचालन के लिए धारित होते है न कि बिक्री के आश्य के लिए जबकि चल प्रभारों के अंतर्गत वे सभी परिसपतियाँ शामिल होती हैं जो सुरक्षित लेनदारों हेतु निर्दिष्ट होने से बहिष्कृत हैं।

(ख) *अरक्षित ऋणपत्र–* अरक्षित ऋणपत्रों का कंपनी की परिसंपत्तियों पर एक विशिष्ट प्रभार नहीं होता है। हालांकि, अकारण ही इन ऋणों पर एक चल प्रभार स्थापित किया जा सकता है। सामान्यत: इस प्रकार के ऋणपत्र जारी नहीं किए जाते हैं।

2.3.2. अवधि की दृष्टिकोण से

(क) *मोचनीय ऋणपत्र–* मोचनीय ऋणपत्र वे होते हैं जो एक विशिष्ट अवधि की समाप्ति पर एकमुश्त राशि के रूप में या कंपनी के जीवन के दौरान किस्तों में देय होते हैं। इन ऋणपत्रों को सममूल्य पर या अधिलाभ राशि पर मोचित किए जा सकते हैं।

(ख) अमोचनीय ऋणपत्र– अमोचनीय ऋणपत्रों को 'स्थायी' ऋणपत्र के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि कंपनी इस प्रकार के ऋणपत्रों के निर्गम द्वारा उधार प्राप्त द्रव्य के परिशोधन के लिए भी अनुबंध नहीं देती है। ये ऋणपत्र कंपनी की समाप्ति पर या एक दीर्घकालिक अवधि की समाप्ति पर शोधनीय होते हैं।

2.3.3 परिवर्तनीयता की दृष्टिकोण से

(क) *परिवर्तनीय ऋणपत्र–* ये वे ऋणपत्र हैं जो समता अंश में परिवर्तनीय होते हैं या फिर किसी भी अन्य प्रतिभूति में या तो कंपनी के विकल्प पर या ऋणपत्र धारक के विकल्प पर परिवर्तित होते हैं, इन्हें परिवर्तनीय ऋणपत्र कहते हैं। ये ऋणपत्र या पूर्णता परिवर्तनीय होते हैं या आंशिक परिवर्तनीय होते हैं।

© NCERT not to be republished

(ख) *अपरिवर्तनीय ऋणपत्र*– ये वे ऋणपत्र हैं जिन्हें अंश में परिवर्तित नहीं किया जा सकता या किसी अन्य प्रतिभूति में नहीं बदले जा सकते हैं। इन्हें अपरिवर्तनीय ऋणपत्र कहते हैं। कंपनियों द्वारा निर्गमित किए जाने वाले अधिकतर ऋणपत्र इसी श्रेणी में आते हैं।

2.3.4 कूपन दर की दृष्टिकोण से

(क) *विशिष्ट कूपन* दर *ऋणपत्र*– ये ऋणपत्र विशिष्ट ब्याज दर पर जारी किए जाते हैं जिसे कि कूपन दर कहा जाता है। ये विशिष्ट दरें या तो स्थिर हो सकती हैं या चल (अस्थिर)। चल ब्याज दरों को प्रायः बैंक की दर के साथ जोड़ा जाता है।

(ख) *शून्य कूपन* दर *ऋणपत्र*– इन ऋणपत्रों के साथ ब्याज की कोई विशिष्ट दर वहन नहीं करते हैं। निवेशकों को क्षतिपूरित करने की दृष्टि से इस प्रकार के ऋणपत्र वास्तविक बट्टे (छूट) के साथ जारी लिए जाते हैं और साकेतिक मूल्य तथा निर्गम मूल्य के बीच अंतर को ब्याज की राशि के रूप में निरूपित किया जाता है जो ऋणपत्र की कालावधि से संबंधित होती है।

2.3.5 पंजीकरण के दृष्टिकोण से

(क) *पंजीकृत ऋणपत्रः* पंजीकृत ऋणपत्र वह ऋणपत्र हैं जिन्हें कंपनी द्वारा रखे गए एक रजिस्टर में नाम, पता तथा ऋणपत्र धारकता की विशिष्टताओं के सभी विवरणों सहित प्रविष्ट किया जाता है। ऐसे ऋणपत्रों का हस्तांतरण केवल एक नियमित हस्तांतरण विलेख के कार्यान्वयन द्वारा किया जा सकता है।

(ख) *वाहक ऋणपत्रः* वाहक ऋणपत्र वह ऋणपत्र हैं जिन्हें डिलीवरी या सुपुर्दगी के तरीके से हस्तांतरित किया जा सकता है और कंपनी ऋणपत्र धारकों का कोई रिकार्ड नहीं रखती है। ऋणपत्रों पर ब्याज का भुगतान उस व्यक्ति को किया जाता है जो इस प्रकार के ऋणपत्रों में संलग्न ब्याज कूपन को प्रस्तुत करता है।

ऋणपत्रों/बांड के प्रकार

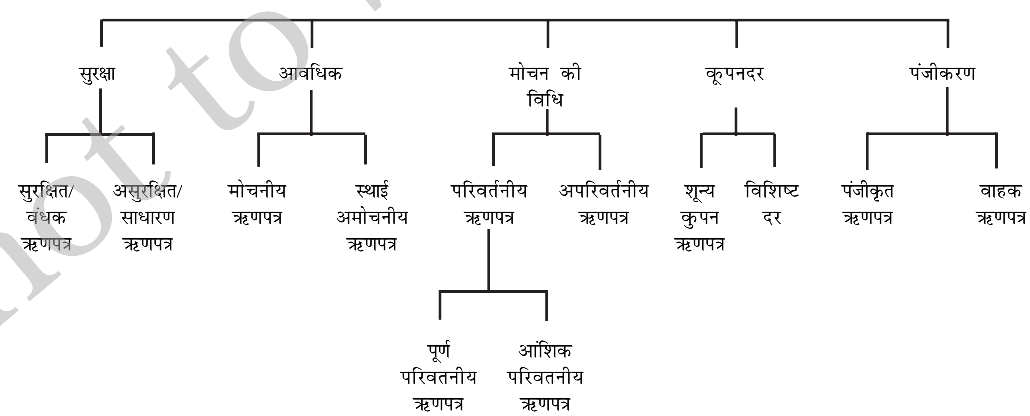

© NCERT not to be republished

2.4 ऋणपत्रों का निर्गम

ऋणपत्रों के निर्गम की प्रक्रिया ठीक वैसी ही होती है जैसा कि अंशों के निर्गम पर होती है। भावी या अभिप्रेरित निवेशक कंपनी द्वारा जारी किए गए विवरण–पत्र के आधार पर ऋणपत्र के लिए आवेदन करता है। इसके लिए कंपनी या तो पूरी राशि को आवेदन पत्र के साथ माँग लेती है या फिर आवेदन पत्र पर किस्तों के रूप में तथा आबंटन के समय तथा विविध माँगों पर राशि ली जाती है। ऋणपत्रों को सममूल्य पर, प्रीमियम के साथ या बट्टे जारी किया जाता है। इन्हें रोकड़ के अतिरिक्त प्रतिफल या संपार्श्विक प्रतिभूति के लिए भी किया जा सकता है।

2.4.1 रोकड़ के लिए ऋणपत्र का निर्गम

ऋणपत्रों को सममूल्य पर तब निर्गम किया जाता है जब उनका निर्गम मूल्य अंकित मूल्य के बराबर हो। ऐसे निर्गम हेतु रोजनामचा प्रविष्टि निम्नानुसार अभिलिखित की जाती है।

(क) *यदि पूरी राशि एक किस्त में ली जाती है :*

(i) आवेदन पत्र पर द्रव्य (धन) की प्राप्ति पर
बैंक खाता नाम
ऋणपत्र आवेदन व आबंटन खाते से

(ii) आबंटन करने पर
ऋणपत्र आवेदन व आबंटन खाता नाम
ऋणपत्र खाते से

(ख) *यदि ऋणपत्र राशि दो किस्तों में प्राप्त की जाती है:*

(i) आवेदन राशि की प्राप्ति पर
बैंक खाता नाम
ऋणपत्र आवेदन खाते से

(ii) आवेदन राशि को आबंटन पर समायोजित करने के लिए
ऋणपत्र आवेदन खाता नाम
ऋणपत्र खाते से

(iii) शेष राशि के लिए आबंटन
ऋणपत्र आबंटन खाता नाम
ऋणपत्र खाते से

(iv) आबंटन राशि के प्रप्ति पर
बैंक खाता नाम
ऋणपत्र आबंटन खाते से

(ग) यदि ऋणपत्र राशि को दो से अधिक किस्तों में प्राप्त किया गया है तो अतिरिक्त प्रविष्टियाँ**:**

(i) पहले वाहन (भाग) पर
ऋणपत्र प्रथम मांग पर नाम
ऋणपत्र खाते से

(ii) पहले मांग की प्राप्ति पर
बैंक खाता नाम
ऋणपत्र प्रथम माँग खाते से

© NCERT not to be republished

टिप्पणी: ठीक इसी प्रकार की प्रविष्टियाँ द्वितीय या तृतीय माँग पर की जाती है। सामान्यत:, पूरी राशि आवेदन के साथ या दो किस्तों में ली जाती है अर्थात आवेदन पत्र एवं आबंटन पर ली जाती है। दो से अधिक किस्तों में माँग बहुत दुर्लभ स्थिति में होती है।

उदाहरण 1

एबीसी लिमिटेड ने प्रति ऋणपत्र 100 रु. के 10,000 ऋणपत्र जारी किए जिसमें आवेदन पर 30 रु. और आबंटन पर शेष राशि देय है। जनता ने 9,000 रु. के ऋणपत्रों के लिए आवेदन किया जो पूर्णत: आबंटित थे और उपयुक्त अपेक्षित राशि प्राप्त की गई। एबीसी लिमिटेड के खातों (पुस्तकों) में रोजनामचा प्रविष्टियाँ तथा तुलन–पत्र तैयार करें।

ए बी सी लिमिटेड की पुस्तकें

रोज़नामचा

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
	बैंक खाता नाम 12% ऋणपत्र आवेदन खाते से (9,000 ऋणपत्रों पर ओवदन राशि प्राप्त की गई)		2,70,000	2,70,000
	12% ऋणपत्र आवेदन खाता नाम 12% ऋणपत्र खाते से (आवेदन राशि को ऋणपत्र खाते में हस्तांतरित किया गया)		2,70,000	2,70,000
	12% ऋणपत्र आबंटन खाता नाम 12% ऋणपत्र खाते से (9,000 आबंटित ऋणपत्रों पर बकाया @ 70 प्रति ऋणपत्र)		6,30,000	6,30,000
	बैंक खाता नाम 12% ऋणपत्र आबंटन खाते से (आबंटन पर प्राप्त की गई राशि)		6,30,000	6,30,000

------- को एबीसी लिमिटड का तुलन पत्र

दायित्व	*राशि (रु.)*	*परिसंप्तियाँ*	*राशि (रु.)*
12% ऋणपत्र	10,00,000	बैंकस्थ रोकड़	10,00,000

* केवल संबंधित आंकड़े

© NCERT not to be republished

2.4.2 बट्टे पर ऋणपत्र का निर्गम

जब ऋणपत्र को उसके अंकित मूल्य से कम दर पर जारी किया जाता है तो ऋणपत्रों का बट्टा पर निर्गम कहलाता है। उदाहरण के लिये, 100 रु. अंकित मूल्य के ऋणपत्र का 95 रु. पर निर्गम, प्रति ऋणपत्र 5 रु. बट्टे पर निर्गम कहलाएगा। बट्टे पर ऋणपत्र का निर्गम पूंजी हानि है और उसके पूर्ण अपलेखन तक तुलन पत्र में 'विविध व्ययों' शीर्ष के अंर्तगत दर्शाया जाता है। ऋणपत्रों के जीवनकाल में ऋणपत्र निर्गम पर बट्टे का अपलेखन लाभ-व-हानि खाते को नाम कर के या पूंजीगत लाभ में से किया जाता है।

कंपनी अधिनियम, 1956 एक ऋणपत्रों को बट्टे पर निर्गमित करने के लिए कोई भी प्रतिबंध नहीं लगाता है। हालांकि परिवर्तनीय ऋणपत्रों की बट्टे पर जारी नहीं किया जा सकता है, यदि इन्हें तुरन्त ही परिवर्तित किया जाना हो।

उदाहरण 2

टी वी कपोनेंटस लिमिटेड ने प्रति ऋणपत्र 100 रु. पर प्रति ऋणपत्र 10,000, 12% ऋणपत्रों को 5% के बट्टे पर निर्गमित किये जो निम्नवत देय हैं।

आवेदन पर 40 रु.
आबंटन पर 55 रु.

इसकी रोजनामचा प्रविष्टियों को रोकड़ सहित करें तथा यह मानकर चलें कि इसकी सभी किस्तें यथानुसार प्राप्त हुई है। इसके साथ ही तुलन पत्र का उपयुक्त भाग भी दर्शायें।

हल

टीवी कंपोनेंट्स लि. की खाता पुस्तकें
रोज़नामचा

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ.स.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
	बैंक खाता नाम 12% ऋणपत्र आवेदन खाते से (30% आवेदन राशि प्रति ऋणपत्र से प्राप्त)		4,00,000	4,00,000
	12% ऋणपत्र आवेदन खाता नाम 12% ऋणपत्र खाते से (आवेदन राशि से ऋणपत्र खाते में हस्तांतरण)		4,00,000	4,00,000
	12% ऋणपत्र आबंटन खाता नाम ऋणपत्र के निर्गम पर बट्टा खाता 12% ऋणपत्र (ऋणपत्र) खाते से (ऋणपत्र पर बकाया आबंटन राशि)		5,50,000 50,000	6,00,000
	बैंक खाता नाम 12% ऋणपत्र आबंटन खाते ऋणपत्र पर आबंटन राशि की प्राप्ति		5,50,000	5,50,000

© NCERT not to be republished

टी वी कंपोनेंट्स लि. का तुलन पत्र

दायित्व	राशि (रु.)	परिसंपत्तिया	राशि (रु.)
सुरक्षित ऋण 12% ऋणपत्र	 10,00,000	बैंकस्थ रोकड़ *विविध व्यय* ऋणपत्र के निर्गम पर बट्टा	9,50,000 50,000

केवल संबंधित आंकड़े

2.4.3 प्रीमियम पर निर्गमित ऋणपत्र

प्रीमियम पर निर्गमित ऋणपत्र उसे कहा जाता है जब इसका मूल्य साधारण मूल्य से अधिक प्रभारित किया जाता है। उदाहरण के लिए 100 रु. के ऋणपत्र निर्गम पर 110 रु. मांगे जाए (यहाँ पर 10 रु. प्रीमियम है)। प्रीमियम की राशि के लिए खाते से प्रतिभूति प्रीमियम खाते में जमा किया जाता है और तुलन पत्र के दायित्व के पक्ष में निधि एवं अधिशेष अंतर्गत दर्शाया जाता है।

उदाहरण 3

एक्स वाई जेड इंडस्ट्रीज लि. ने प्रति ऋणपत्र 100 रु. पर 2,000, 10% ऋणपत्रों को 10 रु. प्रीमियम पर निर्गमित किया जो निम्नानुसार देय है

आवेदन पर 50 रु.
आबंटन पर 60 रु.

सभी ऋणपत्र पूर्णत: अभिदत्त हुए और संपूर्ण राशि यथोचित प्राप्त हुई। कंपनी की खाता पुस्तकों में रोजनामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें साथ ही तुलन पत्र भी तैयार करें।

हल

एक्स वाई जेड इंडस्ट्रीज लि. की खाता पुस्तकें
रोजनामचा

तिथि	विवरण	ब.पृ. सं.	नाम राशि (रु.)	जमा राशि (रु.)
	बैंक खाता नाम 10% ऋणपत्र आवेदन खाते से (10% ऋणपत्र पर प्राप्त आवेदन राशि से)		1,00,000	 1,00,000
	10% ऋणपत्र आवेदन खाता नाम 10% ऋणपत्र खाते से आवेदन पर आवेदन राशि का हस्तांतरण		1,00,000	 1,00,000

© NCERT not to be republished

	10% ऋणपत्र आबंटन खाता नाम 10% ऋणपत्र खाते से प्रतिभूति प्रीमियम खाते से (प्रीमियम सहित ऋणपत्र पर बकाया आबंटन राशि)		1,20,000	 1,00,000 20,000
	बैंक खाता नाम 10% ऋणपत्र आबंटन खाते से (आबंटन राशि प्राप्त)		1,20,000	 1,20,000

एक्स वाई जेड इंडस्ट्रीज लि. का तुलन पत्र

दायित्व	*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि (रु.)*
निधि एवं अधिशेष		बैंकस्थ रोकड़	2,20,000
प्रतिभूति प्रीमियम	20,000		
रक्षित कर्ज			
10% ऋणपत्र	2,00,000		
	2,20,000		**2,20,000**

* केवल उपयुक्त आंकड़े

उदाहरण 4

ए. लिमिटेड ने प्रति ऋणपत्र 100 रु. पर 5,000, 10% ऋणपत्र 10 रु. के प्रति ऋणपत्र प्रीमियम पर निर्गमित किए, जो निम्नानुसार देय हैं।

आवेदन पत्र	25 रु.
आबंटन पत्र	45 रु. (प्रीमियम सहित)
पहली एवं अंतिम माँग पर	40 रु.

सारे ऋणपत्र पूर्णत अभिक्त हुए और सभी राशि यथानुसार प्राप्त हुई। कंपनी की खाता पुस्तकों में सभी आवश्यक प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें। यह भी दिखाएं कि तुलन पत्र में राशि कैसे दर्शाएंगे।

© NCERT not to be republished

हल

ए लिमिटेड की पुस्तकें
रोजनामचा

तिथि	विवरण	ब.पृ. सं.	नाम राशि (रु.)	जमा राशि (रु.)
	बैंक खाता नाम 10% ऋणपत्र आवेदन खाते से (10% ऋणपत्रों पर आवेदन राशि प्राप्त हुई)		1,25,000	1,25,000
	10% ऋणपत्र आवेदन खाता नाम 10% ऋणपत्र खाते से (आवेदन पर आवेदन राशि का हस्तांतरण)		1,25,000	1,25,000
	10% ऋणपत्र का आबंटन खाता नाम 10% ऋणपत्र खाते से प्रतिभूति प्रीमियम खाते से (ऋणपत्रों पर बकाया आबंटन राशि, प्रीमियम सहित)		2,25,000	1,75,000 50,000
	बैंक खाता नाम 10% ऋणपत्र आबंटन खाते से (आबंटन राशि प्राप्त)		2,25,000	2,25,000
	10% ऋणपत्र प्रथम व अंतिम माँग खाता नाम 10% ऋणपत्र खाते से (ऋणपत्रों पर बकाया प्रथम व अंतिम माँग राशि)		2,00,000	2,00,000
	बैंक खाता नाम 10% ऋणपत्र प्रथम एवं अंतिम माँग खाते से (प्रथम व अंतिम माँग राशि प्राप्त)		2,00,000	2,00,000

तिथि----- को ए लिमिटेड का तुलनपत्र

दायित्व	राशि (रु.)	परिसंपत्तियाँ	राशि (रु.)
निधि और अधिशेष		बैंकस्थ रोकड़	5,50,000
प्रतिभूति प्रीमियम	50,000		
सुरक्षित ऋण			
10% ऋणपत्र	5,00,000		
	5,50,000		**5,50,000**

© NCERT not to be republished

2.5 अधि अभिदान

जब जनता को प्रस्तावित किए गए ऋणपत्रों से अधिक (संख्या में ऋणपत्रों) के लिए आवेदन किए जाते हैं तब इस निर्गम को अधि-अभिदान कहते हैं हालांकि एक कंपनी उस मात्रा (संख्या) से अधिक ऋणपत्र आवंटित नहीं कर सकती जितने के लिए अभिदान आमंत्रित किये गये ऋण इसलिए अधि-अभिदान पर प्राप्त की गई अधिकतम राशि यद्यपि आबंटन में समायोंजन के लिए रोकी जा सकती है और संबंधित मांग की जा सकती है। लेकिन आवेदक से प्राप्त की गई वह राशि, जिस पर ऋणपत्र नहीं आबंटित किए गए, उन्हें वापस की जाएगी।

उदाहरण 5

एक्स लिमिटेड ने 40 रु. आवेदन पर तथा 60 रु. आबंटन पर देय रखते हुए प्रति ऋणपत्र 100 रु. पर 10,000, 10% ऋणपत्रों को निर्गमित किया। जनता ने 14,000 ऋणपत्रों के लिए आवेदन किए। 9,000 ऋणपत्रों के लिए पूर्ण आवेदन स्वीकृत किए गए। 2,000 ऋणपत्रों के लिए आवेदनों पर 1,000 ऋणपत्र आबंटित किए गए। शेष आवेदनों को अस्वीकार्य कर दिया गया।

सारी राशि यथानुसार प्राप्त हुई थी। इन लेन देनों की रोजनामचा में प्रविष्टियाँ दें।

हल

एक्स लिमिटेड की पुस्तकें
रोजनामचा

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
	बैंक खाता 12% ऋणपत्र आवेदन खाते से (14,000 ऋणपत्रों पर प्राप्त आवेदन राशि)	नाम	5,60,000	5,60,000
	12% ऋणपत्र आवेदन खाता नाम 10% ऋणपत्र खाते से (10,000 ऋणपत्रों के आबंटन पर आवेदन राशि का हस्तांतरण)		4,00,000	4,00,000
	12% ऋणपत्र आवेदन खाता नाम बैंक खाते से (अस्वीकृत आवेदनों पर प्राप्त आवेदन राशि की धन वापसी)		1,20,000	1,20,000
	12% ऋणपत्र आबंटन खाता 12% ऋणपत्र खाते से (10,000 ऋणपत्रों के आबंटन पर बकाया राशि)		6,00,000	6,00,000
	बैंक खाता नाम ऋणपत्र आवेदन खाता नाम ऋणपत्र आबंटन खाते से (1,000 ऋणपत्रों पर अधिशेष आवेदन राशि को ऋणपत्र आबंटन खाते में हस्तांतरण किया गया तथा बकाया शेष प्राप्त किया गया)		5,60,000 40,000	6,00,000

© NCERT not to be republished

2.6 रोकड़ के अतिरिक्त प्रतिफल पर ऋणपत्रों का निर्गमन

कभी–कभी कंपनी विक्रेताओं से परिसंपतियाँ खरीदती है और रोकड़ भुगतान करने की अपेक्षा प्रतिफल के लिए ऋणपत्र जारी कर देती है। इस प्रकार के ऋणपत्र निर्गमन को रोकड़ के अतिरिक्त प्रतिफल पर निर्गमित ऋणपत्र कहते हैं। इन मामलों में ऋणपत्र को सममूल्य पर या प्रीमियम राशि पर या बट्टे पर जारी किए जा सकते हैं। इसके बाद ऐसी स्थितियों में डाली गई प्रविष्टियाँ ठीक वैसे ही होती जो कि रोकड़ के अलावा प्रतिफल हेतु अंशों के लिए की जाती है, जो कि निम्नलिखित होती हैं:

1. *परिसंपत्तियों के क्रय पर*

 विविध परिसंपतियाँ खाता ... नाम
  विक्रेता से

2. *ऋणपत्रों के निर्गमन पर*

 (क) *सममूल्य पर*

 विक्रेता ... नाम
  ऋणपत्र खाते से

 (ख) *प्रीमियम पर*

 विक्रेता खाता से ... नाम
  ऋणपत्र खाते से
  प्रतिभूति प्रीमियम खाते से

 (ग) *बट्टे पर*

 विक्रेता ... नाम
 बटटे पर निर्गमित ऋणपत्र खाता ... नाम
  ऋणपत्र खाते से

उदाहरण 6

आशीर्वाद कंपनी लिमिटेड ने अन्य कंपनी से 2,00,000 रु. की पुस्तक मूल्य की परिसंपतियाँ खरीदीं और यह सहमति बनी कि खरीद प्रतिफल का भुगतान, प्रतिऋणपत्र 100 रु. पर 2000 10% ऋणपत्रों के निर्गम द्वारा किया जाएगा। आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें।

हल

आशीर्वाद कंपनी लिमिटेड की पुस्तकें

रोजनामचा

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
	विविध परिसंपत्तियाँ खाता ... नाम विक्रेता से (विक्रेता) से परिसंपत्तियों की खरीद पर)		2,00,000	 2,00,000
	विक्रेता ... नाम 10% ऋणपत्र खाते से (खरीद प्रतिफ़ल के साथ में विक्रेता को ऋणपत्रों का आबंटन)		2,00,000	 2,00,000

© NCERT not to be republished

उदाहरण 7

राय कंपनी एक अन्य कंपनी से 2,20,000 रु. पुस्तक मूल्य की परिसंपत्तियाँ खरीदी और यह सहमति बनी कि इस खरीद प्रतिफल के भुगतान के रूप में प्रति ऋणपत्र 100 रु. के 2000, 10% प्रीमियम के साथ जारी करने के द्वारा होगा।

आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें।

हल

राय कंपनी लिमिटेड की पुस्तकें
रोजनामचा

तिथि	*विवरण*		*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
	विविध परिसंपत्तियाँ खाता विक्रेता से (विक्रेता से परिसंपत्ति खरीद पर)	नाम		2,20,000	 2,20,000
	विक्रेता 10% ऋणपत्र खाते से प्रतिभूति प्रीमियम (100 रु. प्रति प्रतिशत से 2,000 ऋणपत्रों का 10% के प्रीमियम पर खरीद प्रतिफल के रूप में आबंटन)	नाम		2,20,000	 2,00,000 20,000

उदाहरण 8

नेशनल पैकेजिंग कंपनी ने एक अन्य कंपनी से 1,90,000 रु. की परिसंपत्तियाँ खरीदी और खरीद प्रतिफल की भुगतान सहमति के हिसाब से 100 रु. प्रति ऋणपत्र से 2,000, 10% ऋणपत्र 5% बट्टे के हिसाब से जारी किए गए।

आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें।

हल

नेशनल पैकेजिंग लिमिटेड की पुस्तकें
रोजनामचा

तिथि	*विवरण*		*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
	विविध परिसंपत्ति खाता ऋण पत्र निर्गम बट्टा खाते से (विक्रताओं से खरीदी गई परिसंपत्तियाँ)	नाम		1,90,000	 1,90,000
	विक्रेता ऋणपत्र निर्गमन पर बटटा 10% ऋणपत्र खाते से (100 रु. प्रत्येक ऋणपत्र के हिसाब से 200 ऋणपत्र 5% बट्टे के साथ खरीद प्रतिफल के रूप में आबंटित)	नाम नाम		1,90,000 10,000	 2,00,000

© NCERT not to be republished

उदाहरण 9

जी एस राय कंपनी ने 99,000 रु. पुस्तक मूल्य की एक फर्म से परिसंपत्तियाँ खरीदीं। यह सहमति बनी कि खरीद प्रतिफल का भुगतान 100 रु. प्रत्येक ऋणपत्र से 10% ऋणपत्रों को निर्गम के द्वारा किया जाएगा।

1. सममूल्य पर
2. 10% के बट्टे पर
3. 10% के प्रीमियम पर

आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें।

हल

जी एस राय कंपनी लिमिटेड की पुस्तकें
रोजनामचा

तिथि	*विवरण*		*ब.पृ.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
	विविध परिसंपत्तियाँ खाता	नाम		99,000	
	विक्रेता से				99,000
	(विक्रेता से खरीदी गई परिसंपत्तियाँ)				
पहले संदर्भ में	विक्रेता	नाम		99,000	
	10% ऋणपत्र खाते से				99,000
	(खरीद प्रतिफल के रूप में विक्रेता को ऋणपत्रों का आबंटन)				
दूसरे संदर्भ में	विक्रेता	नाम		99,000	
	ऋणपत्र निर्गमन पर बट्टा	नाम		11,000	
	10% ऋणपत्र खाते से				1,10,000
	(100 रु. के 10% के ऋणपत्र विक्रेता को 1,100 ऋणपत्र निर्गमित किए गए)				
तीसरे संदर्भ में	विक्रेता	नाम		99,000	
	10% ऋणपत्र खाता				90,000
	प्रतिभूति प्रीमियम खाते से				9,000
	(10% प्रीमियम पर विक्रेता को 100 रु. प्रत्येक के 900 ऋणपत्र जारी किए गए)				

कई बार कुछ कंपनियाँ दूसरी कंपनियों से परिसंपत्तियों को खरीदने के साथ-साथ उनकी देनदारी को भी हाथ में ले लेती है। ऐसा प्राय: तब होता है जब दूसरी कंपनी का पूरा व्यवसाय खरीद लिया जाता है।

© NCERT not to be republished

ऐसी स्थिति में, खरीद (क्रय) प्रतिफल निवल परिसंपत्तियाँ-देनदारी के मूल्य के समान होता है। यदि संपूर्ण प्रतिफल राशि का भुगतान ऋणपत्र निर्गम से किया जाता है तो प्रविष्टि निम्नवत होगी–

विविध परिसंपति खाता नाम

विविध दायित्व खाते से

विक्रेता से

(विक्रेताओं के व्यवसाय की खरीद)

उदाहरण 10

रोमी लिमिटेड ने कपिल इंटरप्राइजेज से 20 लाख रु. की परिसंपत्तियाँ खरीदीं तथा उसकी 2 लाख रु. की लेनदारी भी अपने हाथ में ग्रहण की। रोमी ने खरीद प्रतिफल के लिए 100 रु. प्रति ऋणपत्र से 8% ऋणपत्र जारी किए। रोमी लिमिटेड की खाता पुस्तकों में आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें।

हल

रोमी लिमिटेड की पुस्तकें
रोजनामचा

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
	विविध परिसंपत्तियाँ खाता नाम		20,00,000	
	कपिल इंटरप्राइज़ेज से			18,00,000
	विविध लेनदार खाते से			2,00,000
	(व्यवसाय की खरीद)			
	विक्रेता नाम		18,00,000	
	8% ऋणपत्र खाते से			18,00,000
	(100 रु. प्रति के 18,000, 8% ऋणपत्रों का निर्गमन)			

यदि किसी स्थिति में, संपूर्ण व्यवसाय को अधिग्रहित किया जाता है और यदि निवल परिसंपति खरीद राशि से अधिक राशि के ऋणपत्र जारी किए जाते हैं तो इसके अंतर (आधिक्य) को ख्याति के मूल्य के रूप में निरूपित किया जाएगा और इसके साथ ही इसी राशि को विक्रेता के व्यवसाय खरीद के लिए रोजनामचा प्रविष्टि में डालते समय नामित किया जाएगा। (उदाहरण 10 देखिए) लेकिन यदि इसका उलटा होता है अर्थात् जहाँ ऋणपत्र का मूल्य हाथ में ली गई निवल परिसंपति के मूल्य से कम होता है, वहाँ इस अंतर को पूंजी निधि खाते में जमा किया जाएगा। (देखिए उदाहरण 12)

© NCERT not to be republished

उदाहरण 11

ब्लू प्रिंट लिमिटेड ने 1,50,000 रु. मूल्य का भवन तथा 1,40,000 रु. मूल्य की मशीनरी तथा 10,000 रु. मूल्य का फर्नीचर एक्स वाई जेड कंपनी से खरीदा। इसके साथ ही 2,000 रु. की दायित्व को भी ग्रहित किया और इस का क्रय प्रतिफल 3,15,000 रु. का हुआ। ब्लू प्रिंट लिमिटेड ने कुछ प्रतिफल का भुगतान 100 रु. प्रति ऋणपत्र से 12% के ऋणपत्रों को 5% प्रीमियम के साथ जारी कर लिया। आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें।

हल

ब्लू प्रिट्स लिमिटेड की खाता पुस्तकें
रोजनामचा

तिथि	*विवरण*		*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
	भवन खाता	नाम		1,50,000	
	संयंत्र एवं मशीनरी	नाम		1,40,000	
	फर्नीचर खाता	नाम		10,000	
	ख्याति खाता[1]	नाम		35,000	
	विविध देनदारियों से				20,000
	एक्स वाई ज़ेड कं. खाते से				3,15,000
	(एक्स वाई ज़ेड की परिसंपत्ति खरीदना एवं दायित्व ग्रहित करना)				
	एक्स वाई ज़ेड कं॰	नाम		3,15,000	
	12% ऋणपत्र खाते से				3,00,000
	प्रतिभूति प्रीमियम खाते से				15,000
	(5% की प्रीमियम पर 3,000 ऋणपत्र जारी)				

सूचनाः 1. चूँकि क्रय प्रतिफल अधिकार में ली गई परिसंपत्तियों से अधिक है अतैव दोनों के बीच के अंतर को ख्याति खाते में नाम किया गया है।

2. निर्गमित ऋणपत्र की संख्या $= \dfrac{\text{क्रय प्रतिफल}}{\text{एक ऋणपत्र की निर्गम मूल्य}}$

$$= \frac{3,15,000 \text{ रु.}}{105} = 3,000$$

© NCERT not to be republished

उदाहरण 12

ए लिमिटेड ने बी एंड कंपनी से 3,00,000 रु. की परिसंपत्तियाँ तथा 10,000 रु. की दायित्व अपने अधिकार में इस सहमति पर प्राप्त की कि क्रय प्रतिफल 2,70,000 रु. का भुगतान 100 रु. प्रति ऋणपत्र से 15% ऋणपत्रों को 20% प्रीमियम पर निर्गम कर किया जाएगा। ए लिमिटेड की खाता पुस्तकों हेतु रोजनामचा प्रविष्टियाँ दर्शाएँ।

हल

ए लिमिटेड की पुस्तकें
रोजनामचा

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
	विविध परिसंपत्ति खाता नाम विविध देनदारी खाता बी एंड कं. से पूंजी आरक्षित खाते से (बी लिमिटेड से परिसंपत्ति व देनदारियों की खरीद)		3,00,000 10,000	 2,70,000 20,000
	बी एंड कंपनी खाता नाम 15% ऋणपत्र खाते से प्रतिभूर्ति प्रीमियम खाते से (100 रु. प्रति ऋणपत्र 20% प्रीमियम पर 2,250 ऋणपत्र जारी)		2,70,000	 2,25,000 45,000

स्वयं करें

1. अमृत कंपनी लिमिटेड ने अन्य कंपनी से 2,20,000 रु. की परिसंपत्तियाँ खरीदीं और सहमति के अनुसार क्रय प्रतिफल का भुगतान 100 रु. प्रति ऋणपत्र के 10% प्रीमियम पर 2,000, 10% ऋणपत्र निर्गमित किए गए। आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ करें।
2. एक कंपनी ने 1,20,000 रु. मूल्य की परिसंपत्तियाँ दूसरी कंपनी से खरीदी गई और खरीद प्रतिफल के भुगतान हेतु सहमति हुई कि प्रतिशत बट्टे पर 100 रु. प्रत्येक पर 2,000, 10% ऋणपत्र निर्गमन द्वारा किया जाए। आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ करें।
3. रोज ब्रॉड लिमिटेड ने 22,00,000 रु. में एक व्यवसाय खरीदा। खरीद का भुगतान 6% ऋणपत्र द्वारा किया गया। 22,00,000 रु. के ऋणपत्रों को 10% प्रीमियम के उद्देश्य से जारी किया गया। आवश्यक प्रविष्टयाँ करें।
4. निखिल एंड अरविन लिमिटेड ने अग्रवाल लिमिटेड का एक व्यवसाय खरीदा, जिसमें 3,00,000 रु. की विविध परिसंपत्तियाँ, विविध लेनदारी 10,000 रु. शामिल थे, जो 3,07,200 रु. प्रतिफल पर खरीदी गई इसने क्रय प्रतिफल के चुकाने हेतु 4% बट्टे के साथ 100 रु. प्रति के हिसाब से 14% ऋणपत्र जारी किए। आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ करें।

© NCERT not to be republished

उदाहरण 13

सुविधा लिमिटेड ने सप्लायर्स लिमिटेड से 1,96,000 रु. के मूल्य की मशीनरी क्रय की। इसका भुगतान 100 रु. प्रत्येक पर 12% ऋणपत्र जारी करके किया गया।

मशीनरी के खरीद के लिए आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ दें और यदि–

(1) ऋणपत्रों का निर्गमन सममूल्य पर किया गया है।

(2) ऋणपत्रों का निर्गमन 10% बट्टे पर किया गया है।

(3) ऋणपत्रों का निर्गमन 10% प्रीमियम पर किया गया है।

हल

सुविधा लिमिटेड की पुस्तकें

रोजनामचा

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
	मशीनरी खाता नाम		1,98,000	
	सप्लायर्स लिमिटेड खाते से			1,98,000
	(मशीनरी खरीदी गई)			
केस (i)	जब ऋण सममूल्य पर निर्गमित हों:			
	सप्लायर्स लि॰ खाता नाम		1,98,000	
	12% ऋणपत्र खाते से			1,98,000
	(12% ऋणपत्र सप्लायर्स लि॰ हेतु निर्गमित हुए)			
केस (ii)	जब ऋणपत्रों को 10% बट्टे पर निर्गम किया गया है:			
	सप्लायर्स लि॰ खाता नाम		1,98,000	
	ऋणपत्र के निर्गम पर बट्टा खाता नाम		22,000	
	12% ऋणपत्र खाते से			2,20,000
	(10% बट्टे पर सप्लायर्स को 12% ऋणपत्र (ऋणपत्र) निर्गम किए गए)			
केस (iii)	जब 10% प्रीमियम पर ऋणपत्रों को निर्गमित किया गया:			
	सप्लायर्स लि॰ खाता नाम		1,98,000	
	12% ऋणपत्र खाते से			1,80,000
	ऋणपत्र के निर्गम पर प्रीमियम खाते से			18,000
	(10% प्रीमियम पर सप्लायर्स को 12% ऋणपत्र निर्गमित किए गए।			

© NCERT not to be republished

कार्यकारी टिप्पणी:

(क) 10% बट्टे के मामले में निर्गमित ऋणपत्रों की संख्या:

	(रु.)
अंकित मूल्य	100
घटाया: 10% बट्टा	(10)
मूल्य जिस पर निर्गम हुआ	90

$$\frac{1,98,000 \text{ रु.}}{90} = 2,200 \text{ ऋणपत्र}$$

(ख) 10% प्रीमियम के मामले में निर्गमित ऋणपत्रों की संख्या

	(रु.)
अंकित मूल्य	100
जोड़ा: प्रीमियम 10%	10
मूल्य जिस पर निर्गम हुआ	110

$$\frac{1,98,000 \text{ रु.}}{110} = 1,800 \text{ ऋणपत्र}$$

2.7 ऋणपत्रों का संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमन

जब एक कंपनी बैंक अथवा वित्तीय संस्था से ऋण या अधिविकर्ष प्राप्त करती है तो ऐसी स्थिति में संपार्श्विक प्रतिभूति को प्राथमिक प्रतिभूति की तुलना में सहायक अथवा अतिरिक्त प्रतिभूति के रूप में परिभाषित किया जाता है। इसके लिए कंपनी अपनी कुछ परिसंपत्तियों को उपयुक्त ऋण प्राप्ति हेतु रक्षित ऋण के रूप में बन्धक अथवा गिरवी रख सकती है। किन्तु ऋणदाता संस्थाएँ संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में अधिक परिसंपत्तियों के लिए आग्रह कर सकती है ताकि ऋण की राशि की पूर्णत: वसूली हो सके यदि प्राथमिक प्रतिभूति के विक्रय से ऋण की राशि का पूर्ण भुगतान संभव नहीं है तो ऐसी स्थिति में कंपनी स्वंय के ऋणपत्रों को निर्गमन पहले से बन्धक परिसंपत्तियों सहित ऋणदाता को करती है। ऐसे निर्गमण को संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में ऋणपत्रों का निर्गमन कहते हैं।

यदि कंपनी ब्याज सहित ऋण या कर्ज को चुका पाने में असफल रहती है तो ऋणदाता प्राथमिक प्रतिभूति को बेचकर ऋण वसूल पाने के लिए स्वतंत्र होता है और यदि प्राथमिक प्रतिभूति की बिक्री पर प्राप्त राशि दूसरी ऋण राशि को पूरा कर पाने में कम पड़ जाती है तो ऋणदाता को इस बात का अधिकार है कि वह संर्पारिवर्क प्रतिभूति के लाभ को भुनाने का आखान करे जिसके लिए ऋणपत्रों को मोचन के लिए प्रस्तुत किया जा सकता है या खुले बाजार में बेचा जा सकता है।

संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमित ऋणपत्रों की कंपनी के खाता पुस्तकों में दो विधियों से निपटाया जा सकता है–

© NCERT not to be republished

प्रथम विधि

खाता पुस्तकों में कोई प्रविष्टि नहीं होती चूँकि इस प्रकार के निर्गम से कोई भी दायित्व उत्पन्न नहीं होता है। हालांकि तुलन पत्र ऋण के मद के नीचे इस प्रभाव के साथ एक टिप्पणी संलग्न करते हैं कि एक संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में ऋणपत्रों के निर्गम द्वारा इसे सुरक्षित किया गया है। उदाहरण के लिए एक्स कंपनी ने एक बैंक से प्राप्त 10,00,000 हेतु 100 रु. प्रति ऋणपत्र से 10,000, 9% ऋणपत्रों को जारी किया है। इस तथ्य को तुलन पत्र में निम्नवत प्रदर्शित किया जा सकता है।

एक्स कंपनी का तुलन पत्र

दायित्व :

सुरक्षित ऋण :
बैंक ऋण
(संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप
में 100 रु. प्रति ऋणपत्र से 10,000
9% द्वारा
(एक संमपाश्विक प्रतिशत के रूप में निर्गमित ऋणपत्र के लिए कोई प्रविष्टि नहीं दी जाती है।)

द्वितीय विधि

संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में ऋणपत्रों के निर्गमन का अभिलेखन निम्न रोजनामचा प्रविष्टयों के माध्यम से किया जाता है।

रोजनामचा प्रविष्टियाँ

i. 10,00,000 रु. के बैंक कर्ज हेतु संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में 100 रु. प्रति से 10,000, 9% ऋणपत्रों का निर्गम हुआ।

ऋणपत्र बचत खाता	*नाम*	*10,00,000*	
9% ऋणपत्र खाते से			*10,00,000*

ii. बैंक ऋण के पूर्ण भुगतान पर 9% ऋणपत्रों का संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में रद्दीकरण हेतु ऋणपत्र उचती खाता ऋणपत्रों की कटौती के रूप में तुलन पत्र के दायित्व पक्ष की ओर लिखा जाता है। ऋण के भुगतान पर उपरोक्त प्रविष्टि को विपरीत प्रविष्टि द्वारा निरस्त (रद्द) किया जाता है।

9% ऋणपत्र खाता	*नाम*	*10,00,000*	
ऋणपत्र उचतीं खाते से			*10,00,000*

© NCERT not to be republished

....................को एक्स कंपनी का तुलन पत्र

दायित्व		*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि (रु.)*
सुरक्षित कर्ज/ऋण				
बैंक ऋण		10,00,000		
9%, 10,000 100 रु. प्रत्येक के ऋणपत्र	10,00,000			
घटाया: ऋणपत्र उचंती खाता	10,00,000			

उदाहरण 14

एक कंपनी पंजाब नेशनल बैंक से 10,00,000 रु. का ऋण प्राप्त करती है और संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में 12,00,000 रु. के 100 रु. प्रति से 10% ऋणपत्रों को जारी करती है। बताएँ कि कंपनी की खाता पुस्तकों में ऋणपत्र के निर्गम व्यवहार किस प्रकार होगा।

हल

प्रथमविधि

तुलन पत्र (सारांश)

दायित्व	राशि (रु.)	परिसंपत्तियाँ	राशि (रु.)
सुरक्षित ऋण			
पी एन बैंक से ऋण (संपश्विक प्रतिभूति के रूप में 100 रु. के प्रति से 12,000 रु. 10% ऋणपत्रों के निर्गम से सुरक्षित)	10,00,000		

सूचना : खाता पुस्तकों में कोई प्रविष्टि अभिलिखित नहीं की जाएगी।

© NCERT not to be republished

द्वितीय विधि

रोजनामचा प्रविष्टियाँ

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
	ऋणपत्र उचंती खाता नाम 10% ऋणपत्र खाते से (पी एन बैंक हेतु संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में 100 रु. के 12,000 ऋणपत्रों का निर्गमन)		12,00,000	12,00,000

तुलन पत्र (सारांश)

दायित्व	*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि (रु.)*
पी एन बैंक से ऋण 10%, ऋणपत्र 12,00,000 *घटाया:* ऋणपत्र उचंती खाता (12,00,000)	10,00,000		

स्वयं करें

1. रघुबीर लिमिटेड ने 10,00,000 8% ऋणपत्र स्टॉक जारी किए जिन्हें निम्नासार निर्गमित किया गया–
   (1) 90% नकद पर विविध अभिकर्ताओं को 5,50,000
   (2) 2,00,000 पूंजी खर्च लेनदारों के लिए उनके दावे की तुष्टि पर 2,00,000
   (3) 20,00,000 रु. के बैंक ऋणों हेतु प्राथमिक प्रतिभूति के रूप में 2,00,000
   जिसपर 22,50,000 मूल्य का व्यवसायिक परिसर रखा गया है।
   प्रथम (1) एवं द्वितीय (2) निर्गम 10 वर्ष की अवधि में सममूल्य पर मोचनीय हैं। आप बताएं कि कंपनी के तुलन पत्र को तैयार करते समय ऋणपत्र स्टॉक से कैसे निपटान करेंगे।
2. हसन लिमिटेड ने 40,00,000 रु. की प्राथमिक प्रतिभूति के प्रति 30,00,000 ऋण प्राप्त किया और इसके साथ ही एक संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में 100 रु. प्रत्येक से 400, 6% ऋणपत्र जारी किए। इसके बाद कंपनी ने एक वर्ष बाद पुन: बैंक से प्राथमिक प्रतिभूति के रूप में संयंत्र के ऋणपत्र 50,00,000 रु. का ऋण प्राप्त किया और संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में 100 रु. प्रत्येक के 6000, 6% ऋण पत्रों को जमा किया। कंपनी का तुलन पत्र तैयार करें तथा आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ करें।
3. मेघनाथ लिमिटेड ने बैंक से 1,20,000 रु. ऋण के रूप में प्राप्त किए और 2 लाख रु. प्राथमिक प्रतिभूति की सुरक्षा के बावजूद 100 रु. प्रत्येक के 1400, 8% ऋणपत्रों के संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में जमा किया। दो माह बाद कंपनी ने पुन: 80,000 रु. का ऋण पर किया और संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में 100 रु. प्रत्येक के 1,000 8% ऋणपत्र जमा किए। रोजनामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें तथा एक कंपनी का ऋणपत्र तैयार करें।

© NCERT not to be republished

2.8 ऋणपत्रों को निर्गमित करने की शर्तें

जब एक कंपनी ऋणपत्रों का निर्गमन करती है तो इनमें प्राय: वे शर्तें निहित होती हैं जिन पर परिपवक्ता के समय ऋणपत्र मोचित किए जाते हैं। ऋणपत्रों के मोचन से आशय ऋणपत्र धारक को ऋणपत्र का परिशोध न करने के द्वारा ऋणपत्र खाते से दायित्व मुक्ति होती है। ऋणपत्रों को सममूल्य पर या प्रीमियम पर मोचित किया जा सकता है।

निर्गम की नियम एवं शर्तों तथा ऋणपत्रों के मोचन के ऊपर निर्भरता को देखते हुए निम्नलिखित 6 परिस्थितियाँ समान्यत: व्यवहार में देखी जाती हैं:

(i) सममूल्य पर निर्गम एवं सममूल्य पर मोचनीय
(ii) बट्टे पर निर्गम एवं सममूल्य पर मोचनीय
(iii) एक प्रीमियम पर निर्गम एंव सममूल्य पर
(iv) सममूल्य पर निर्गम एवं एक प्रीमियम पर मोचनीय
(v) एक बट्टे पर निर्गम एवं एक प्रीमियम पर मोचनीय
(vi) एक प्रीमियम पर निर्गम एवं एक प्रीमियम पर मोचनीय

उपर्युक्त छह मामलों के ऋणपत्रों के निर्गम के लिए रोजनामचा प्रविष्टियाँ निम्नवत की जाती है–

1. सममूल्य पर निर्गम एवं सममूल्य पर मोचनीय

(क) बैंक खाता	नाम
ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाते से	
(आबंटन राशि की प्राप्ति)	
(ख) ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाता	नाम
ऋणपत्र खाते से	
(ऋणपत्र के आबंटन)	

2. एक बट्टे पर निर्गम एवं सममूल्य पर मोचनीय

(क) बैंक खाता	नाम
ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाते से	
(आवेदन राशि की प्राप्ति)	
(ख) ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाता	नाम
ऋणपत्र खाते से	
(एक बट्टे पर ऋणपत्र का आबंटन)	

3. एक प्रीमियम पर निर्गम एवं सममूल्य पर मोचनीय

(क) बैंक खाता	
ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाते से	
(आवेदन राशि की प्राप्ति)	
(ख) ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाता	नाम
ऋणपत्र खाते से	
प्रतिभूति प्रीमियम खाते से	
(एक प्रीमियम पर ऋणपत्र का आबंटन)	

© NCERT not to be republished

4. सममूल्य पर जारी एवं एक प्रीमियम पर मोचनीय

(क) बैंक खाता नाम

ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाते से

(आवेदन राशि की प्राप्ति)

(ख) ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाता नाम

ऋणपत्रों के निर्गम पर हानि खाता नाम (ऋणपत्रों पर प्रीमियम सहित)

ऋणपत्र खाते से (ऋणपत्रों के अंकित मूल्य सहित)

ऋणपत्र के मोचन पर प्रीमियम खाते से (मोचन पर प्रीमियम सहित)

(ऋणपत्र पर ऋणपत्रों का आबंटन और प्रीमियम पर मोचन)

5. बट्टे पर निर्गम और प्रीमियम पर मोचन

बैंक खाता नाम

ऋणपत्र आवेदन और आबंटन खाते से

(आवेदन राशि प्राप्त)

ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाता नाम

ऋणपत्र के निर्गम पर हानि खाता नाम (निर्गम पर भव्व और शोधन पर प्रीमियम)

ऋणपत्र खाते से (ऋणपत्र पर अंकित मूल्य सहित)

ऋणपत्र के मोचन पर प्रीमियम खाते से (मोचन पर प्रीमियम)

(ऋणपत्रों का बटटे पर आबंटन और प्रीमियम पर मोचन)

6. प्रीमियम पर निर्गम तथा प्रीमियम पर मोचन

बैंक खाता नाम

ऋणपत्र आवेदन तथा आबंटन खाते से

(आवेदन राशि प्राप्त)

ऋणपत्र आवेदन तथा आबंटन खाता नाम

ऋणपत्र निर्गम पर हानि खाता नाम (मोचन पर प्रीमियम के साथ)

ऋणपत्र खाते से साधारण मूल्य के साथ ऋणपत्र

प्रतिभूति प्रीमियम खाते से (प्रीमियम के साथ निर्गम)

ऋणपत्र के मोचन पर खाते से (प्रीमियम के साथ मोचन)

टिप्पणी: (1) जब ऋणपत्रों का प्रीमियम पर मोचन किया जाता है तब निर्गम के समय ऋणपत्र के निर्गम पर हानि खाता, में राशि को नाम करके एक प्रावधान तैयार किया जाता है। यहाँ पर ध्यान दिया जा सकता है कि जब ऋणपत्रों को बट्टे पर निर्गम एवं प्रीमियम के साथ मोचित किया जाता है, तब बट्टे की राशि को भी 'ऋणपत्र के निर्गम पर हानि' खाता के नाम पक्ष की ओर लिखा जाता है। यहाँ यह भी ध्यान देने योग्य है कि सब ऋणपत्रों का निर्गम बट्टे के साथ किया जाता है तथा सममूल्य पर मोचित किया जाता है तब राशि सामान्यत: 'ऋणपत्र निर्गम पर बट्टा खाता' के नाम पक्ष की ओर लिखा जाता है।

© NCERT not to be republished

(2) मोचन पर प्रीमियम कंपनी की भविष्य में देय देनदारी होती है। यह एक प्रावधान है और इसे 'सुरक्षित ऋण' के शीर्ष के तब तक दशयिा जाता है जब तक कि ऋणपत्रों को मोचन नहीं हो जाता है।

(3) ऋण के निर्गम पर हानि खाता एक तरह से पूँजी हानि है और इसे लाभ व हानि खाते में या प्रतिशत प्रीमियम खाते के खिलाफ़ धीरे-धीरे बट्टे में डाल देते हैं। बट्टे में नहीं डाली गई राशि को तुलन पत्र में परिसंपत्ति की तरफ़ विविध व्यय के शीर्ष में दर्शाया जाता है। ठीक वैसे ही जैसे बट्टे को ऋणपत्र निर्गम खाता में दर्शाते हैं।

उदाहरण 15

निम्नलिखित के लिए रोजनामचा प्रविष्टियाँ दीजिए:

1. 100 रु. प्रत्येक पर 10,000 रु. के 9% ऋणपत्रों का निर्गम एवं सममूल्य पर मोचनीय।
2. 100 रु. प्रत्येक पर 10,000 रु. के 9% ऋणपत्रों का 5% प्रीमियम पर लेकिन सममूल्य पर मोचनीय।
3. 100 रु. प्रत्येक पर 10,000 रु. के 9% ऋणपत्र 5% बट्टे के साथ निर्गम तथा सममूल्य पर मोचनीय।
4. 100 रु. प्रत्येक पर 10,000 रु. के 9% ऋणपत्र तथा 5% प्रीमियम पर मोचनीय।
5. 100 रु. प्रत्येक पर 10,000 रु. के 9% ऋणपत्र 5% बट्टे के साथ निर्गमित तथा 5% प्रीमियम के साथ मोचनीय।
6. 100 रु. प्रत्येक पर 10,000 रु. के 9% ऋणपत्र 5% प्रीमियम पर निर्गमित तथा 5% प्रीमियम पर मोचनीय।

हल

रोजनामचा

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
1	बैंक खाता ... नाम 9% ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाते से (ऋणपत्र आवेदन राशि प्राप्त की गई)		1,00,000	 1,00,000
	ऋणपत्र आवेदन तथा आबंटन खाता ... नाम 9% ऋणपत्र खाते से (आवेदन राशि ऋणपत्र खाता में हस्तांतरित)		1,00,000	 1,00,000
2	बैंक खाता ... नाम 9% ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाते से (ऋणपत्र आवेदन राशि प्राप्त की गई)		1,05,000	 1,05,000
	ऋणपत्र आवेदन तथा आबंटन खाता ... नाम 9% ऋणपत्र खाते से प्रतिभूति प्रीमियम खाते से (ऋणपत्र आवेदन राशि को ऋणपत्र एवं प्रतिभूति प्रीमियम खाते में हस्तांतरित किया गया)		1,05,000	 1,00,000 5,000

© NCERT not to be republished

3	बैंक खाता नाम 9% ऋणपत्र आवेदन तथा आबंटन खाते से (ऋणपत्र आवेदन राशि प्राप्त की गई)		95,000	 95,000
	9% ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाता नाम ऋणपत्र निर्गम पर बट्टा खाता नाम 9% ऋणपत्र खाते (ऋणपत्र आवेदन राशि का ऋणपत्र खाता में हस्तांतरण)		95,000 5,000	 1,00,000
4	बैंक खाता नाम 9% ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाते से (ऋणपत्र आवेदन तथा आबंटन खाता) ऋणपत्र आवेदन तथा आबंटन खाता नाम ऋणपत्र के निर्गम पर हानि खाता नाम 9% ऋणपत्र खाते से ऋणपत्र के मोचन पर प्रीमियम खाते से (ऋणपत्र आवेदन राशि का ऋणपत्र खाता में हस्तांतरण)		1,00,000 1,00,000 5,000	 1,00,000 1,00,000 5,000
5	बैंक खाता नाम 9% ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाते से (ऋणपत्र आबंटन राशि प्राप्त की गई)		95,000	 95,000
	ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाता नाम ऋणपत्र के निर्गम पर हानि खाता नाम 9% ऋणपत्र खाते से ऋणपत्र के मोचन पर प्रीमियम खाते से (ऋणपत्र आबंटन राशि का ऋणपत्र प्रीमियम पर ऋणपत्र खाता में हस्तांतरण)		95,000 10,000	 1,00,000 5,000
6	बैंक खाता नाम 9% ऋणपत्र आवेदन तथा आबंटन खाते से (ऋणपत्र आवेदन राशि प्राप्त की गई) ऋणपत्र आवेदन तथा आबंटन खाता नाम ऋणपत्र पर हानि खाता नाम 9% ऋणपत्र खाते से ऋणपत्र मोचन पर प्रीमियम खाते से प्रतिभूति प्रीमियम खाते से (ऋणपत्र आवेदन राशि का ऋणपत्र खाता में हस्तांतरण)		1,05,000 1,05,000 5,000	 1,05,000 1,00,000 5,000 5,000

© NCERT not to be republished

उदाहरण 16

आपको एक्स लिमिटेड की खाता पुस्तकों में ऋणपत्र के निर्गम से संबंधित रोजनामचा प्रविष्टियों को तैयार करने की आवश्यकता है और यह भी दशाएँ कि निम्न मामले तुलन पत्र में कैसे दर्शाई जाएंगी।

(क) 100 रु. प्रत्येक पर 120, 8% ऋणपत्र 5% बट्टे पर निर्गमित एवं सममूल्य पर मोचनीय।
(ख) रु. 1000/- प्रत्येक पर 150, 7% ऋणपत्र बट्टे पर निर्गमित तथा प्रीमियम पर मोचनीय।
(ग) रु. 1000/- प्रत्येक पर 80, 9% ऋणपत्र का 5% प्रीमियम पर निर्गमन।
(घ) रु. 100 प्रत्येक पर अन्य 400, 8% ऋणपत्र संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में 40,000 ऋण पर निर्गमित हुए हैं।

हल

एक्स लिमिटेड की पुस्तकें
रोजनामचा

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
	बैंक खाता नाम माग पत्र निर्गम पर बट्टा खाता नाम 8% ऋणपत्र खाते से (120, 8% ऋणपत्रों का 5% बट्टे के साथ निर्गम तथा सममूल्य पर देय		1,14,000 6,000	 1,20,000

एक्स लि॰ का तुलन पत्र

दायित्व	*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि (रु.)*
सुरक्षित ऋंण– 8% ऋणपत्र	 1,20,000	बैंकस्थ रोकड़ विविध खर्च ऋणपत्र पर बट्टा	1,14,000 6,000

© NCERT not to be republished

(ख) **रोजनामचा**

तिथि	विवरण	ब.पृ. सं.	नाम राशि (रु.)	जमा राशि (रु.)
	बैंक खाता नाम ऋणपत्र निर्गम पर हानि खाता नाम 7% ऋणपत्र खाते से ऋणपत्र का प्रीमियम पर मौचन खाते से (150, 7% ऋणपत्र का 5% बट्टे पर निर्मन तथा 10% प्रीमियम पर मोचनीय)		1,42,500 22,500* 1,50,000	 15,000

* ऋणपत्र के निगर्म पर बट्टा 7,500 रु. है तथा ऋण के मोचन पर प्रीमियम 15,000 रु. है।

एक्स लि॰ का तुलन पत्र

दायित्व	राशि (रु.)	परिसंपत्तियाँ	राशि (रु.)
सुरक्षित ऋण		बैंकस्थ रोकड़	1,42,500
7% ऋण	1,50,000	विविध व्यय	
ऋणपत्र के मोचन पर प्रीमियम	15,000	ऋणपत्र के निर्गम पर हानि	22,500

रोजनामचा

तिथि	विवरण	ब.पृ. सं.	नाम राशि (रु.)	जमा राशि (रु.)
	बैंक खाता नाम 9% ऋणपत्र खाते से प्रतिभूति प्रीमियम खाते से (1,000 रु. प्रत्येक से 80, 9% ऋणपत्र का निर्गम 5% प्रीमियम पर)		84,000	 80,000 4,000

एक्स लि॰ का तुलन पत्र

दायित्व	राशि (रु.)	परिसंपत्तियाँ	राशि (रु.)
निधि एवं अधिशेष		बैंकस्थ रोकड़	84,000
प्रतिभूति प्रीमियम	4,000		
सुरक्षित ऋण:			
9% ऋणपत्र	80,000		

© NCERT not to be republished

(ख) **रोजनामचा**

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
	ऋणपत्र उचंती खाता नाम 8% ऋणपत्र खाते से 100 रु. प्रत्येक पर 400, 8% ऋणपत्रों का निर्गम 40,000 रु. ऋण के विपरीत संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में)		40,000	40,000

एक्स लि॰ का तुलन पत्र

दायित्व		*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि (रु.)*
सुरक्षित ऋण				
बैंक ऋण		40,000		
400, 8% ऋणपत्र				
100 रु. प्रत्येक पर	40,000			
घटाया: ऋणपत्र बचत खाता	40,000	--------		

स्वयं करें

1. निम्नलिखित स्थितियों के आधार पर नीना लिमिटेड ने 100 रु. प्रत्येक से 50,000, 10% ऋण निर्गमित किए–
   क. ऋणपत्रों का सममूल्य पर निर्गम एवं सममूल्य पर मोचनीय
   ख. 5% बट्टे पर निर्गमित ऋणपत्र तथा सममूल्य पर मोचनीय
   ग. ऋणपत्रों का 10% प्रीमियम पर निर्गमन तथा सममूल्य पर मोचनीय
   घ. ऋणपत्रों का सममूल्य पर निर्गमन तथा 10% प्रीमियम पर मोचनीय।
   च. ऋणपत्रों का 5% बट्टे पर निर्गमन तथा एक 10% की प्रीमियम पर मोचनीय
   छ. 6% प्रीमियम पर ऋणपत्रों का निर्गमन तथा एक 4% प्रीमियम पर मोचनीय
   उपर्युक्त प्रकरण के लिए ऋणपत्र के निर्गमन व मोचन के समय के अनुसार आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें।
2. निम्नलिखित प्रत्येक प्रकरण के लिए आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें–
   क. 10 रु. प्रत्येक 27,000, 7% ऋणपत्र निर्गमित हुए जो सममूल्य पर मोचनीय हैं
   ख. 100 रु. प्रत्येक के 25,000, 7% ऋणपत्र निर्गमित हुए जो 4% प्रीमियम पर मोचनीय हैं
   ग. 100 रु. के 20,000, 7% ऋणपत्र 5% बट्टे पर निर्गमित हुए और सममूल्य पर मोचनीय हैं
   घ. 100 रु. प्रत्येक के 30,000,7% ऋणपत्र 5% बट्टे के साथ निर्गमित हुए तथा 2½% प्रीमियम पर मोचनीय हैं।
   च. 100 रु. प्रत्येक के 35,000,7% ऋणपत्र 4% प्रीमियम पर निर्गमित हुए एवं इसी मूल्य पर ही मोचनीय है।

© NCERT not to be republished

2.9 ऋणपत्रों पर ब्याज

जब एक कंपनी ऋणपत्र निर्गमित करती है तो वह एक बाध्यता के अंतर्गत आती है कि आवधिक तौर पर (जैसे अर्द्ध-वार्षिक एक स्थिर ब्याज का भुगतान करती रहे, बशर्ते कि ऋणपत्र पूर्वदत्त न हो। यह प्रतिशत उस ऋणपत्र के नाम का हिस्सा होते हैं जैसे कि 8% ऋणपत्र, 10% ऋणपत्र आदि और देय ब्याज का परिकलन ऋणपत्र के साधारण मूल्य पर होता है।

ऋणपत्रों में दिए जाने वाला ब्याज कंपनी के लाभ के प्रति प्रभार होता है और उसे निश्चित रूप से चुकाया जाता है फिर चाहे कंपनी को लाभ हुआ है या नहीं। आयकर अधिनियम 1961 के अनुसार एक कंपनी को निश्चित रूप से ऋणपत्रों पर देय ब्याज से आयकर करना चाहिए यदि वह निर्धारित सीमा से अधिक बनता है। इसे स्रोत पर आय की कटौती अर्थात 'टी डी एस'- (टैक्स डिडक्सन एट सोर्स) कहा जाता है और इसे कर प्राधिकरण के पास जमा कराया जाता है। बेशक ऋणपत्र धारक उस राशि को अपने बकाया करों के विपरीत समायोजित कर सकते हैं।

2.9.1 लेखांकन व्यवहार

ऋणपत्रों के ब्याज के संबध में एक कंपनी की खाता पुस्तकों में रोजनामचा प्रविष्टयाँ निम्नवत् अभिलिखित की जाती हैं-

1. *जब ब्याज बकाया हो*

   ऋणपत्र ब्याज खाता नाम

   आयकर देय खाते से

   ऋणपत्र धारक खाते से

   (ऋणपत्रों पर बकाया ब्याज एवं स्रोत पर कर की कटौती)

2. *ऋणपत्र धारकों हेतु ब्याज के भुगतान के लिए*

   ऋण पत्र धारक खाता नाम

   बैंक खाते से

   (अंश धारकों को ब्याज भुगतान की राशि)

3. *लाभ एवं हानि खाता में ऋणपत्र ब्याज खाते का हस्तांतरण*

   लाभ एवं हानि खाता नाम

   ऋणपत्र ब्याज खाते से

   (लाभ व हानि खाता को ऋणपत्र ब्याज हस्तांतरण)

4. *कर की कटौती और भुगतान पर*

   आयकर देय खाता नाम

   बैंक खाते से

   (ऋणपत्र के ब्याज पर कर का भुगतान)

© NCERT not to be republished

उदाहरण 17

जनवरी 1, 2004 पर ए लिमिटेड ने 100 रु. प्रत्येक के 2,000,10% ऋणपत्र 10% बट्टे पर निर्गमित किए जो 10% प्रीमियम पर मोचनीय थे।

ऋणपत्र के निर्गमन तथा 31 दिसंबर 2004 की समाप्ति अवधि के लिए ऋणपत्र ब्याज से संबंधित रोजनामचा की प्रविष्टियों को यह मानकर दर्शाएँ कि ब्याज अर्ध-वार्षिक प्रदत्त किया गया, जिसमें आधे का भुगतान 30 जून को तथा शेष 31 दिसंबर को किया गया। यहाँ कर की दर 10% थी। एक लिमिटेड अपने लेखांकन वर्ष हेतु कलेंडर वर्ष का अनुपालन करती है।

हल

रोजनामचा

तिथि	*विवरण*		*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
1 जनवरी 2004	बैंक खाता	नाम		1,80,000	
	10% ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाते से				1,80,000
	(2,000, 10% ऋणपत्रों पर आवेदन राशि प्राप्त की गई)				
	10% ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाता	नाम		1,80,000	
	ऋणपत्र के निर्गम पर हानि खाता	नाम		40,000	
	10% ऋणपत्र खाते से				2,00,000
	ऋणपत्र के मोचन पर प्रीमियम खाते से				20,000
	(10% बट्टे पर ऋणपत्र का आबंटन तथा 10% के एक प्रीमियम पर मोचनीय)				
30 जून	10% ऋणपत्र ब्याज खाता	नाम		10,000	
	ऋणपत्र धारक खाते से				9,000
	आयकर देय खाते से				1,000
	(6 माह के लिए ब्याज बकाया तथा स्रोत पर आयकर की कटौती)				
	10% ऋणपत्र अंश धारक खाता	नाम		9,000	
	बैंक खाते से				9,000
	(ब्याज का भुगतान)				
31 दिसं॰	10% ऋणपत्र ब्याज खाता	नाम		10,000	
	ऋणपत्र धारक खाते से				9,000
	आयकर देय खाते से				1,000
	(6 माह का ब्याज बकाया एवं कर स्रोत पर काटा गया)				

© NCERT not to be republished

31 दिसं॰	10% ऋणपत्र धारक खाता नाम बैंक खाते से (ब्याज का भुगतान)		9,000	9,000
	आयकर देय नाम बैंक खाते से (सरकार के लिए स्रोत पर काटे गए कर का भुगतान)		2,000	2,000
	लाभ व हानि खाता नाम ऋणपत्र ब्याज खाते से (ऋणपत्र ब्याज लाभ व हानि खाता में हस्तांतरित)		20,000	20,000

स्वयं करें

1. दिवाकर इंटरप्राइजेज ने अप्रैल 1, 2002 को 10,00,000, 6% ऋणपत्रों को निर्गमित किया। ब्याज का भुगतान 30 सितंबर 2002 तथा 31 मार्च 2003 को किया गया।
   यह मानकर आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें कि ब्याज राशि पर कर की कटौती (टीडीएस) 30% की दर से की गई।
2. लेजर इंडिया ने 100 रु. प्रति ऋणपत्र पर 7,00,000, 8% ऋणपत्र निर्गमित किए। कंपनी ने इन ऋणपत्रों के ब्याज पर कर की स्रोत ही कटौती कर ली। इन ऋणपत्रों हेतु ब्याज अर्ध वार्षिक 30 सितंबर तथा 31 मार्च को प्रतिवर्ष के हिसाब से दिया। आयकर के लिए स्रोत पर कटौती (टी डी एस) की अर्धवार्षिक राशि 2,80,000 रु. बनती है।

2.10 बट्टे का अपलेखन/ऋणपत्रों के निर्गम पर हानि

बटटा/ऋणपत्रों के निर्गम पर हानि एक पूँजी हानि अथवा अवास्तविक परिसंपत्ति है, अत: ऋणपत्रों के जीवन काल के दौरान अपलिखित किया जातना अनिवार्य है। बटटे को राशि ऋणपत्रों के निर्गम पर हानि समान्यत: निर्गम वर्ष में अपलिखित नहीं किया जा सकता चूँकि ऋणपत्रों से लाभ की प्राप्ति उनके मोचन तक होती है। अत: बटटा/हानि, पूँजी हानि मानते हुए, समान्यत: 5-7 वर्षों तक फैला दिया जाता है और इसी दौरान तुलन पत्र के परिसंपत्ति पक्ष की ओर फुटकर खर्च, शीर्षक के अंतर्गत दर्शाया जाता है। कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 78 बट्टे/हानि की राशि के अपलेखन प्रतिभूति प्रीमियम खाते और अन्य पूँजी लाभों में करने की अनुमति देती है। यदि पूँजी लाभ नहीं है या पर्याप्त नहीं हैं। ऐसे बट्टे हानि को प्रति वर्ष आगम लाभों में से निम्न रोजनामचा प्रविष्टि द्वारा अपलिखित किया जाता है।

लाभ व हानि खाता नाम
    ऋणपत्रों के निर्गम पर बट्टा/हानि खाते से
(ऋणपत्रों के निर्गम पर बट्टा/हानि)

यहाँ पर दो आगम हैं जिन्हें आगम लाभ के प्रति ऋणपत्र के निर्गम पर बट्टे/हानि को डालने के लिए अपनाया जा सकता है। वे निम्नानुसार हैं–

© NCERT not to be republished

1. *स्थिर किस्त विधि–* जब ऋणपत्र का विशेष अवधि के बाद मोचन किया जाता है, तब बट्टे की कुल राशि को, इस अवधि के दौरान समान किस्तों की स्थिर राशि में बट्टे में डाला जाना चाहिए। उदाहरण के लिए, यदि ऋणपत्रों को दस वर्ष में 1,00,000 रु. के बट्टे की राशि हेतु मोचित किया जाता है तो इस राशि को प्रतिवर्ष, 10,000 रु. के रूप में बट्टे में डाल दिया जाएगा।
2. *चल किस्त विधि–* जब ऋणपत्रों का शोधन वार्षिक आहरण या किस्तों में होता है तो प्रतिलेखांकन वर्ष के अंत में ऋणपत्र के बकाया के अनुपात में बट्टे में डाला जाना चाहिए। इस विधि के अंतर्गत बट्टे की राशि प्रतिवर्ष घटती जाती है और इसी कारण इस विधि को परिवर्तक किस्त विधि के नाम से भी जाना जाता है।

उदाहरण के लिए एक कंपनी 10% बट्टे पर 15,00,000 रु. के 9% ऋणपत्र निर्गमित करती है जो कि प्रतिवर्ष के अंत में 3,00,000 वार्षिक आहरणों द्वारा मोचनीय हैं। बट्टे की राशि निम्न परिकलन के अनुसार बट्टे में डाली जाएगी–

वर्ष	वर्ष के दौरान उपयोग की गई राशि	अनुपात
प्रथम वर्ष	15,00,000 रु.	5
द्वितीय वर्ष	12,00,000 रु.	4
तृतीय वर्ष	9,00,000 रु.	3
चतुर्थ वर्ष	6,00,000 रु.	2
पंचम वर्ष	3,00,000 रु.	1

अतः बट्टे की राशि प्रतिवर्ष निम्नानुसार बट्टे में डाली जाएगी:

प्रथम वर्ष	1,50,000 रु.	5/15	=	50,000 रु.
द्वितीय वर्ष	1,50,000 रु.	4/15	=	40,000 रु.
तृतीय वर्ष	1,50,000 रु.	3/15	=	30,000 रु.
चतुर्थ वर्ष	1,50,000 रु.	2/15	=	20,000 रु.
पंचम वर्ष	1,50,000 रु.	1/15	=	10,000 रु.

उदाहरण 18

एक्स लिमिटेड ने 100 रु. प्रत्येक के 5,000, 16% ऋणपत्रों का निर्गम 5% के बट्टे पर, 5 वर्ष के बाद 5% प्रीमियम पर परिमोचनीय आधार पर किया। आप से अपेक्षा की जाती है कि ऋणपत्र निर्गम में हानि को 5 वर्ष की अवधि में बट्टे में डालें।

© NCERT not to be republished

हल

एक्स लिमिटेड की पुस्तकें
रोजनामचा

तिथि	विवरण		ब.पृ. सं.	नाम राशि (रु.)	जमा राशि (रु.)
	बैंक खाता	नाम		4,75,00	
	ऋणपत्र आवेदन का आबंटन खाते से				4,75,000
	(ऋणपत्र आवेदन राशि प्राप्ति)				
	ऋणपत्र आवेदन व आबंटन खाता	नाम		4,75,000	
	ऋणपत्र-निर्गम पर हानि खाता	नाम		50,000	
	16% ऋणपत्र खाते से				5,00,000
	ऋणपत्र के मोचन पर प्रीमियम खाते से				25,000
	(ऋणपत्र आवेदन राशि का ऋण खाते में हस्तांतरण 5% प्रीमियम पर परिमोचनीय)				
प्रथम वर्ष	लाभ व हानि खाता	नाम		10,000	
	ऋणपत्र निर्गम पर हानि खाते से				10,000
द्वितीय वर्ष	लाभ व हानि खाता	नाम		10,000	
	ऋणपत्र निर्गम पर हानि खाते से				10,000
तृतीय वर्ष	लाभ व हानि खाता	नाम		10,000	
	ऋणपत्र निर्गम पर हानि खाते से				10,000
चतुर्थ वर्ष	लाभ व हानि खाता	नाम		10,000	
	ऋणपत्र निर्गम पर हानि खाते से				10,000
पंचम वर्ष	लाभ व हानि खाता	नाम		10,000	
	ऋणपत्र निर्गम पर हानि खाते से				10,000

ऋणपत्र निर्गम पर हानि खाता
(तुलन पत्र)

नाम *जमा*

तिथि	विवरण	राशि (रु.)	तिथि	विवरण	राशि (रु.)
01 जन (वर्ष 1)	ऋणपत्र	50,000	31 दिसं. (वर्ष 1)	लाभ व हानि	10,000
				शेष आ/ले	40,000
		50,000			**50,000**

© NCERT not to be republished

01 जन (वर्ष 2)	शेष आ/ला	40,000	31 दिसं. (वर्ष 2)	लाभ व हानि शेष आ/ले	10,000 30,000
		40,000			**40,000**
01 जन (वर्ष 3)	शेष आ/ला	30,000	31 दिसं. (वर्ष 3)	लाभ व हानि शेष आ/ले	10,000 20,000
		30,000			**30,000**
01 जन (वर्ष 4)	शेष आ/ला	20,000	31 दिसं. (वर्ष 4)	लाभ व हानि शेष आ/ले	10,000 10,000
		20,000			**20,000**
01 जन (वर्ष 5)	शेष आ/ला	10,000	31 दिसं. (वर्ष 5)	लाभ व हानि	10,000
		10,000			**10,000**

उदाहरण 19

एक कंपनी 6% बट्टे पर अंकित मूल्य पर 2,00,000 रु. के 9% ऋणपत्र निर्गमित करता है। ये ऋणपत्र प्रतिवर्ष 40,000 रु. के वार्षिक आहरण पर मोचनीय थे। आप ऋणपत्र के निर्गम के बट्टे से कैसे निपटान करेंगे। कंपनी के खातों (बही) में ऋणपत्र की जीवन अवधि के लिए बट्टा खाता को दर्शाइए।

हल

ऋणपत्र निर्गम पर बट्टा खाता

नाम *जमा*

तिथि	*विवरण*	*राशि (रु.)*	*तिथि*	*विवरण*	*राशि (रु.)*
01 जन (वर्ष 1)	9% ऋणपत्र	12,000	31 दिस. (वर्ष 1)	लाभ व हानि शेष आ/ले	4,000 8,000
		12,000			**12,000**
01 जन (वर्ष 2)	शेष आ/ला	8,000	31 दिस. (वर्ष 2)	लाभ व हानि शेष आ/ले	3,200 4,800
		8,000			**8,000**
01 जन (वर्ष 3)	शेष आ/ला	4,800	31 दिस. (वर्ष 3)	लाभ व हानि शेष आ/ले	2,400 2,400
		4,800			**4,800**

© NCERT not to be republished

01 जन (वर्ष 4)	शेष आ/ला	2,400	31 दिस. (वर्ष 4)	लाभ व हानि शेष आ/ले	1,600 800
		2,400			**2,400**
01 जन (वर्ष 5)	शेष आ/ला	800	31 दिस. (वर्ष 5)	लाभ व हानि	800
		800			**800**

कार्यकी टिप्पणी: ऋणपत्र बट्टे को प्रतिवर्ष बट्टे में डालने का प्रदर्शन करता विवरण:

वर्ष की समाप्ति पर	प्रयुक्त ऋणपत्र का अंकित मूल्य	उपयोग अवधि	गुणनफल	अनुपात	बट्टे की राशि (रु.)
A	B	C	D=B ´ C	E	(12000´ E/15)
प्रथम वर्ष के अंत में	2,00,000	12 माह	24,00,000	5	4,000
द्वितीय वर्ष के अंत में	1,60,000	12 माह	19,20,000	4	3,200
तृतीय वर्ष के अंत में	1,20,000	12 माह	14,40,000	3	2,400
चतुर्थ वर्ष के अंत में	80,000	12 माह	9,60,000	2	1,600
प्रचम वर्ष के अंत में	40,000	12 माह	4,80,000	1	800
				15	

उदाहरण 20

ज़ेड लिमिटेड ने 100 रु. प्रत्येक पर 10,000 के 8% ऋणपत्र निर्गमित किए जिसमें 10 रु. आवेदन पर, शेष आबंटन पर देय था। सारी राशि यथानुसार प्राप्त की गई। कंपनी की खाता पुस्तकों में प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें।

हल

ज़ेड लिमिटेड की पुस्तकें
रोजनामचा प्रविष्टियाँ

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
	बैंक खाता नाम 8% ऋणपत्र आवेदन खाते से (ऋणपत्र आवेदन राशि प्राप्त हुई)		1,00,000	1,00,000
	8% ऋणपत्र आवेदन खाता नाम 8% ऋणपत्र खाते से (आवेदन राशि को ऋणपत्र खाता में हस्तांतरित किया गया)		1,00,000	1,00,000

© NCERT not to be republished

	8% ऋणपत्र आबंटन खाता नाम 8% ऋणपत्र खाते से (आबंटन पर बकाया राशि)		9,00,000	 9,00,000
	बैंक खाता नाम 8% ऋणपत्र आबंटन खाते से (आबंटन राशि प्राप्त की गई)		9,00,000	 9,00,000

उदाहरण 21

ए लिमिटेड ने, 10% पर 100 रु. प्रत्येक पर 5,000 ऋणपत्रों के लिए आवेदन आमंत्रित किए, जिसमें 25 रु. प्रीमियम के रूप में आवेदन पर, 50 रु. (प्रीमियम सहित) आबंटन पर तथा शेष राशि को पहली तथा दूसरी मांग पर मांगा। 7,500 ऋणपत्रों के लिए आवेदन प्राप्त हुए और यह तय किया गया कि आबंटन निम्नानुसार किया जाए–

(i) 1500 आवेदन पर ऋणपत्रों का आबंटन निरस्त किया गया।

(ii) 1000 ऋणपत्रों के आवेदनों को पूरा आबंटन दिया।

(ii) अन्य शेष बचे सभी आवेदनों को यथानुपात आधार पर ऋणपत्रों को आबंटित किया गया।

आवेदन पर प्राप्त आधिक्य राशि को आबंटन पर समायोजित किया जाए। यह मानकर आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें कि पूरी राशि प्राप्त हो चुकी है। इसके साथ ही संक्षिप्त तुलन पत्र तैयार करें।

हल

ए लिमिटेड की खाता पुस्तकें
रोजनामचा

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
	बैंक खाता नाम 10% ऋणपत्र आवेदन खाते से (10% ऋणपत्र पर आवेदन राशि प्राप्त की गई)		1,87,500	 1,87,500
	8% ऋणपत्र आवेदन खाता नाम 10% ऋणपत्र खाते से 10% ऋणपत्र आबंटन खाते से बैंक खाते से (आवेदन राशि को ऋणपत्र खाता में हस्तांतरित किया गया तथा अधिशेष राशि वापस लौटायी गई एवं अधिक राशि को समायोजित किया गया)		1,87,500	 1,25,000 25,000 37,500

© NCERT not to be republished

	10% ऋणपत्र आबंटन खाता नाम 10% ऋणपत्र खाते से प्रतिभूति प्रीमियम खाते से (ऋण पत्रों पर देय आबंटन राशि प्राप्त)		2,50,000	 2,00,000 50,000
	बैंक खाता नाम 10% ऋणपत्र आबंटन खाते से (ऋणपत्रों पर आबंटन राशि प्राप्त की गई)		2,25,000	 2,25,000
	10% ऋणपत्र पहली व अंतिम माँग खाता नाम 10% ऋणपत्र खाते से (ऋणपत्रों पर पहली व अंतिम माँग राशि बकाया)		1,75,000	 1,75,000
	बैंक खाता नाम 10% ऋणपत्र पहली व अंतिम माँग खाते से (ऋणपत्र पहली व अंतिम माँग राशि प्राप्त की गई)		1,75,000	 1,75,000

तुलन पत्र का सारांश

दायित्व	*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि (रु.)*
निधि एवं अधिशेष: प्रतिभूति प्रीमियम सुरक्षित ऋण: 10% ऋणपत्र	 50,000 5,00,000	 बैंकस्थ रोकड़	 5,50,000
	5,50,000		**5,50,000**

स्वयं करें

1. एक्स लिमिटेड ने 100 रु. प्रत्येक के 2,000, 10% ऋणपत्रों को 8% बट्टे पर 1 जनवरी 1992 को निगर्मित किए जो सममूल्य पर चार वर्षों में प्रतिवर्ष आहरण के द्वारा मोचनीय थे। आहरण की शुरूआत 31 मार्च 1993 से निम्नानुसार मोचनीय की गई–

   पहला आहरण 10%, दूसरा आहरण 20%, तीसरा आहरण 30% और चौथा आहरण 40% प्रतिवर्ष बट्टे में डाली जाने वाली राशि का यह मानकर परिकलित कीजिए कि एक्स लिमिटेड लेखांकन वर्ष के लिए कलेंडर वर्ष का पालन करती है।

2. जेड लिमिटेड ने 50 रु. प्रत्येक के 15,00,000, 10% ऋणपत्र निर्गमित किए जिन्हें 10% प्रीमियम के साथ 20 रु. आवेदन पर तथा शेष राशि आबंटन पर भुगतान करनी थी। यह ऋणपत्र 6 वर्ष बाद

© NCERT not to be republished

मोचनीय है। सभी बकाया राशि की माँग की गई और यथावत सभी राशि प्राप्त की गई। आवश्यक प्रविष्टियाँ अभिलेखित करें जबकि प्रीमियम राशि भी सम्मिलित हो

(i) आवेदन राशि में

(ii) आबंटन राशि में

3. जेड लिमिटेड ने 100 रु. प्रत्येक के 5,000, 10% ऋणपत्रों को 10% बट्टे के साथ 1.1.2005 में निर्गमित किए। ऋणपत्रों को प्रतिवर्ष थोक में मोचित किया जाना था। प्रतिवर्ष, 31.12.2005 के प्रारंभ से 1,000 ऋणपत्र मोचित करने थे। आवश्यक प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें तथा उसमें ऋणपत्रों के ब्याज के भुगतान एवं बट्टे को बट्टे में डालने को भी शामिल करें। ब्याज का भुगतान प्रति वर्ष 30 जून तथा 31 दिसंबर को करना है। जेड लि॰ की पुस्तक-खाता 31 दिसंबर को बंद होता है।

4. एम लिमिटेड ने 100 रु. प्रत्येक के 1,000, 8% ऋणपत्रों को 10% प्रीमियम पर 1.1.2004 को निर्गमित किए। इसने 2,50,000 रु. की विविध परिसंपत्तियाँ खरीदी तथा 1,90,000 देनदारियों को भी हाथ में लिया तथा इसके लिए विक्रेता ने 1,90,000 रु. के 8% ऋणपत्रों को 5% बट्टे के साथ संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में जारी किए। एम लिमिटेड की खाता पुस्तकों हेतु रोजनामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें तथा 31.12.2004 को तुलन पत्र तैयार करें तथा ब्याज की उपेक्षा करें।

5. 1.1.2005 को फास्ट कंप्यूटर ने 100 रु. प्रत्येक के 20,00,000,6% ऋणपत्रों को 4% बट्टे के साथ जारी किया जो तीन वर्ष बाद 5% प्रीमियम पर मोचनीय है। राशि का भुगतान निम्नवत देय हैं:
आवेदन पर 50 रु. प्रति ऋणपत्र।
शेष आबंटन पर देय
ऋणपत्र निर्गम पर आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ अभिलेखित करें।

6. 1.1.2001 का डी लिमिटेड ने 2,00,00 रु. मूल्य की ई लिमिटेड से मशीनरी खरीदी। उसे 50,000 रु. तत्काल भुगतान किया गया शेष राशि के लिए डी लिमिटेड ने 1,60,000 रु. के 12% ऋणपत्र जारी किए। डी लिमिडेड की खाता पुस्तकों में डालने के लिए लेनदेन के बारे में आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ अभिलेखित करें।

उदाहरण 22

ए लिमिटेड कंपनी ने 1,00,000 रु. के 9% ऋणपत्रों को 6% के एक बट्टे पर निर्गमित किया। ये ऋणपत्र 5 वर्षों के विस्तार में वार्षिक किस्तों में, एक बराबर राशि में मोचित होने हैं। ऋणपत्रों के निर्गमन पर बट्टे को 5 वर्षों में दर्शाएं।

© NCERT not to be republished

हल

ए लिमिटेड की पुस्तकें
ऋणपत्रों के निर्गम पर बट्टा खाता

नाम *जमा*

तिथि	*विवरण*	*राशि (रु.)*	*तिथि*	*विवरण*	*राशि (रु.)*
पहला वर्ष	ऋणपत्र	6,000	पहला वर्ष	लाभ व हानि	2,000
				शेष आ/ले	4,000
		6,000			**6,000**
दूसरा वर्ष	शेष आ/ला	4,000	दूसरा वर्ष	लाभ व हानि	1,600
				शेष आ/ले	2,400
		4,000			**4,000**
तीसरा वर्ष	शेष आ/ला	2,400	तीसरा वर्ष	लाभ व हानि	1,200
				शेष आ/ले	1,200
		2,400			**2,400**
चौथा वर्ष	शेष आ/ला	1,200	चौथा वर्ष	लाभ व हानि	800
				अंतिम शेष	400
		1,200			**1,200**
पाँचवाँ वर्ष	शेष आ/ला	400	पाँचवाँ वर्ष	लाभ व हानि	400
		400			**400**

कार्यकारी टिप्पणी

ऋणपत्र के निर्गम पर निर्गम पर कुल बट्टा

रु॰ 1,00,000 ´ $\frac{6}{100}$ = रु॰ 6,000

बट्टे की राशि को बट्टे में डालने का निर्धारण निम्नवत होता है:

वर्ष	राशि	अनुपात	राशि (रु.)	
1	1,00,000	5	$\frac{5}{15} \times$ 6,000 =	2,000
2	80,000	4	$\frac{4}{15} \times$ 6,000 =	1,600

© NCERT not to be republished

3	60,000	3	$\frac{3}{15} \times 6,000 =$	1,200
4	40,000	2	$\frac{2}{15} \times 6,000 =$	800
5	20,000	1	$\frac{1}{15} \times 6,000 =$	400

स्वयं जाँचिये 1

बताएं कि निम्नलिखित कथन सही है या ग़लत

1. ऋणपत्र एक लिखित प्रपत्र है जो कंपनी की सामान्य मोहर के अंतर्गत एक ऋण को अभिस्वीकृत करता है।
2. ऋणपत्र स्वामित्व पूँजी का एक हिस्सा है।
3. ऋणपत्रों पर दिए जाने वाले ब्याज का भुगतान कंपनी के लाभ से किया जाता है।
4. ऋणपत्रों को अंकित मूल्य के 10% से अधिक बट्टे के साथ नहीं निर्गमित किया जा सकता है।
5. मोचनीय ऋणपत्र वे ऋणपत्र हैं जोकि एक विशिष्ट अवधि की समाप्ति पर देय होते हैं।
6. स्थायी ऋणपत्रों को अमोचनीय ऋणपत्रों के नाम से भी जानते हैं।
7. ऋणपत्रों को अंशों में नहीं परिर्वर्तित किया जा सकता है।
8. ऋणपत्रों को एक प्रीमियम के साथ नहीं निर्गमित किया जा सकता है।
9. एक संपार्श्विक प्रतिभूति एक सहायक प्रतिभूति होती है।
10. ऋणपत्रों को एक प्रीमियम पर नहीं निर्गमित एवं सममूल्य पर मोचित नहीं कर सकते हैं।
11. ऋणपत्र निर्गम में हानि (खाता) एक आगम हानि है।
12. ऋणपत्र मोचन पर प्रीमियम खाता, तुलन पत्र में प्रतिभूति प्रीमियम के अंतर्गत दर्शाया जाता है।

उपखंड II

2.11 ऋणपत्रों का मोचन

ऋणपत्रों का मोचन निर्गम के नियामानुसार ऋणपत्रों के खातें में देनदारियों को समाप्त या मुक्त करने हेतु संकेतित करता है। दूसरे शब्दों में ऋणपत्रों के मोचन का तात्पर्य कंपनी द्वारा ऋणपत्रों की राशि का परिशोधन करता है। यहाँ पर चार विधियाँ हैं जिनसे ऋणपत्रों का मोचन होता है। ये निम्न हैं–

1. एकमुश्त भुगतान
2. किस्तों में भुगतान
3. खुले बाजार में खरीदना
4. अंश या नए ऋणपत्रों में परिवर्तन द्वारा

© NCERT not to be republished

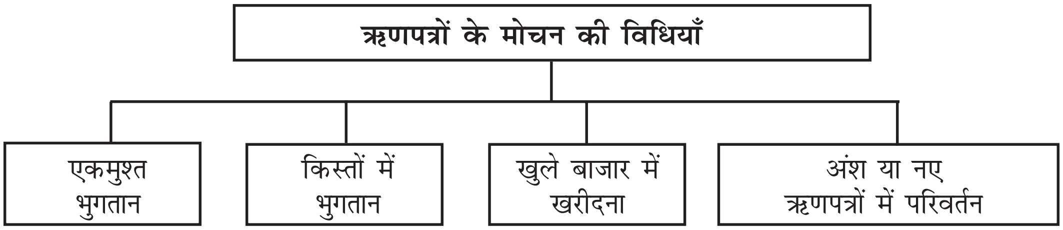

एकमुश्त भुगतान– कंपनी ऋणपत्र की अवधि की समाप्ति पर अंश धारक को एकमुश्त पूरी राशि एक साथ भुगतान करने के द्वारा ऋणपत्र का मोचिन करती है या कंपनी के विकल्प के द्वारा समय से पूर्व भी मोचित किया जा सकता है। ऐसे मामले में कंपनी को परिशोधन का समय ज्ञात होता है और वह यथानुसार वित्तीय संसाधनों का नियोजन कर सकती है।

किस्तों में भुगतान– इस विधि के अंतर्गत ऋणपत्रों का मोचन किस्तों में ऋणपत्र की अवधि तक प्रतिवर्ष के अंत में लिया जाता है। ऋणपत्रों की कुल देनदारी को वर्षों के योग से विभाजित किया जाता है और ऋणों का वास्तविक मोचन इस रूप से जाना जाता है कि ऋणपत्र का बकाया भुगतान अपेक्षित संख्या की किस्तों में किया जा चुका है।

खुले बाजार में क्रय– जब एक कंपनी अपने ही ऋणपत्रों के शेयर बाजार के माध्यम से निरस्त करने के उद्देश्य से खरीदती है तब इस प्रकार की खरीद क्रिया और ऋणपत्र के निरसन के अंतर्गत खुले बाजार में खरीद के द्वारा ऋणपत्र का मोचन समाहित होता है।

नए ऋणपत्रों या अंश में परिवर्तन–कंपनी अपने ऋणपत्रों को अंश या नए ऋणपत्रों में परिवर्तित कर मोचित कर सकती है। यदि ऋणपत्र धारक यह पाते हैं कि कंपनी का प्रस्ताव उनके लिए लाभदायक है तो वे ऋणपत्रों को नए ऋणपत्रों या अंशों में परिवर्तित करने का अधिकार व्यवहार में ला सकते हैं। यह नए अंश या ऋणपत्र सममूल्य पर, एक बट्टे या एक प्रीमियम पर निर्गमित किए जा सकते हैं। यहाँ पर ध्यान दिया जाना चाहिए और ऋणपत्रों की वास्तविक कार्यवाही खातों में ली जानी चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि ऋणपत्रों द्वारा कितने अंशों को जारी कर परिवर्तित किया जाना है। यदि ऋणपत्रों को मूलत: एक बट्टे में निर्गमित किया गया था तब निर्गम के समय वास्तविक संख्या में वसूल प्राप्त राशि को अंश की वास्तविक संस्था जारी करने के लिए संगठन का आधार बनाया जाता है। यहाँ पर यह ध्यान दिया जा सकता है कि यह निधि केवल परिवर्तनीय ऋणपत्रों पर लागू होती है। गैर–परिवर्तनीय ऋणपत्रों को भी इस तरह से मोचित किया जा सकता है।

2.12 एकमुश्त भुगतान द्वारा मोचन

जब कंपनी पूरी राशि को एकमुश्त प्रदान करती है तो कंपनी की खाता पुस्तकों में निम्न रोजनामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित की जाती है।

© NCERT not to be republished

1. *ऋणपत्रों का सममूल्य पर मोचत किया जाता है*

(क)	ऋणपत्र खाता	नाम
	ऋणपत्र धारक से	
(ख)	ऋणपत्र धारक	नाम
	बैंक खाते से	

2. *ऋणपत्रों की प्रीमियम पर मोचित किया जाता है*

(क)	ऋणपत्र खाता	नाम
	ऋणपत्र के मोचन पर प्रीमियम खाता	नाम
	ऋणपत्र धारक से	
(ख)	ऋणपत्र धारक	नाम
	बैंक खाते से	

उदाहरण 23

निम्नलिखित प्रत्येक मामले में ऋणपत्र के मोचन के समय पर आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ दीजिए–

1. एक्स लिमिटेड ने 100 रु. प्रत्येक के 500, 9% ऋणपत्र सममूल्य पर जारी किए तथा 5 वर्ष की समाप्ति पर पूंजी से सममूल्य मोचनीय हैं।
2. एक्स लिमिटेड ने 100 रु. प्रत्येक 1,000, 12% ऋणपत्र सममूल्य पर जारी किए। ये ऋणपत्र 4 वर्ष के अंत में 10% प्रीमियम पर मोचनीय हैं।
3. एक्स लिमिटेड 1,00,000 के अंकित मूल्य के 12% ऋणपत्र 5% प्रीमियम के साथ जारी किए गए जो 4 वर्षों के पश्चात प्रीमियम पर हैं।
4. एक्स लिमिटेड ने 10,000 रु. के 12% ऋणपत्रों को 5% बट्टे के साथ निर्गमित किए जो 5% थे। वर्ष के अंत में 5% प्रीमियम पर मोचनीय हैं।

हल

रोजनामचा

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
1.	9% ऋणपत्र खाता नाम ऋणपत्र धारक से (ऋणपत्र मोचन पर बकाया राशि)		5,00,000	5,00,000
	ऋणपत्र धारक नाम बैंक खाते से (ऋणपत्र धारकों को किया गया भुगतान)		5,00,000	5,00,000

© NCERT not to be republished

2.	12% ऋणपत्र	नाम		1,00,000	
	ऋणपत्र के मोचन पर प्रीमियम खाता	नाम		10,000	
	ऋणपत्र धारक				1,10,000
	(ऋणपत्र के मोचन पर बकाया राशि)				
	ऋणपत्र धारक	नाम		1,10,000	
	बैंक खाते से				1,10,000
	(मोचन पर बकाया राशि)				
3.	12% ऋणपत्र खाता	नाम		1,00,000	
	ऋणपत्र धारक से				1,00,000
	(मोचन पर बकाया राशि)				
	ऋणपत्र खाता	नाम		1,00,000	
	बैंक खाते से				1,00,000
	(अंश धारक को किया गया भुगतान)				
4.	12% ऋणपत्र खाता	नाम		1,00,000	
	ऋणपत्रों को मोचन पर प्रीमियम खाता	नाम		5,000	
	ऋणपत्र धारक खाते से				1,05,000
	(ऋणपत्र के मोचन पर बकाया राशि)				
	ऋणपत्र धारक	नाम		1,05,000	
	बैंक खाते से				1,05,000
	(ऋणपत्र धारकों को किया गया भुगतान)				

कंपनी अधिनियम के नवीनतम प्रावधान के अनुसार कंपनी को लाभ का एक हिस्सा प्रतिवर्ष अलग रखना अनिवार्य है और इसे ऋणपत्र मोचन निधि ऋणपत्र मोचन निधि में ऋणपत्रों के मोचन हेतु तब तक रखना है जब तक कि ऋण पत्र मोचनीय नहीं होते। इस उद्देश्य के लिए रोजनामचा प्रतिष्टियाँ निम्नानुसार की जाती है–

कंपनी (संशोधन) अधिनियम, 2000 धारा 117 सी का प्रावधान

(क) जहाँ पर कंपनियों ने इस अधिनियम के लागू होने के बाद ऋणपत्र निर्गमित किए हैं तो वह इस प्रकार के ऋणपत्रों के मोचन हेतु एक ऋणपत्र मोचन का निर्माण करेगी जिसके लिए पर्याप्त राशि निर्मित की जाएगी जो लाभ से प्रतिवर्ष तब तक निकाली जाएगी जब तक कि इस प्रकार के ऋणपत्रों का मोचन नहीं हो जाता है।

(ख) ऋणपत्र मोचन निधि के अंतर्गत तैयार की गई राशि को कंपनी के ऋणपत्रों के मोचन के अलावा किसी अन्य में उपयोग नहीं किया जाएगा।

© NCERT not to be republished

सेबी के मार्गनिर्देश

भारत में प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (SEBI) ने ऋणपत्रों के मोचन हेतु मार्गनिर्देश प्रदान किए हैं। इन मार्ग निर्देशों को केन्द्र बिन्दु निम्न बाते हैं-

1. प्रत्येक कंपनी को ऋणपत्र मोचन निधि तैयार करना होगा अगर कंपनी निर्गम तिथि से 18 महीने से अधिक अवधि के मोचनीय ऋणपत्रों को जारी करती है।
2. ऋणपत्र मोचन निधि उन कंपनियों के लिए केवल बाध्यता या अनिवार्यता है जो केवल गैर परिवर्तनीय ऋण या अंशत: गैर परिवर्तनीय ऋणपत्र जारी करती है।
3. एक कंपनी को अपने पास ऋणपत्रों के मोचन प्रारंभ करने से पूर्व निर्गमित ऋणपत्रों की कुल राशि का कम से कम 5% के बराबर ऋणपत्र मोचन निधि तैयार करना होगा।
4. ऋणपत्र मोचन निधि का आहरण केवल तभी अनुमत है जब कंपनी की ऋणपत्र देनदारी 10% पहले ही घट चुकी हो।

सेबी मार्गनिर्देश निम्न परिस्थितियों के अंतर्गत लागू नहीं होंगे-

(क) इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनी (कंपनी जो व्यवसाय के विकास, अनुरक्षण एवं वाहय संरचना प्रचालन सुविधाओं में पूर्णत: (सलंग्न हो) और

(ख) कंपनी जो अधिक से अधिक 18 माह की परिपक्वता के ऋणपत्र निर्गम न करती हो।

2.12.1 ऋणपत्र मोचन निधि के निर्माण के संबंध में स्पष्टीकरण

भारत सरकार के कंपनी मामला विभाग ने अपने सर्कुलर सं. 9/2002 तिथि 18.04.2002 में निम्नलिखित स्पष्टीकरण ऋणपत्र मोचन निधि के निर्माण हेतु जारी किए हैं-

(क) अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों जो आर बी आई (RBI) द्वारा विनियमित है, तथा बैंकिंग कंपनियों को सार्वजनिक एवं निजी स्थापन्न ऋणपत्रों के निर्गमन हेतु ऋणपत्र मोचन निधि की आवश्यकता नहीं है।

(ख) निजी तौर पर स्थापन्न ऋणपत्रों के मामलों में भी ऋणपत्र मोचन निधि की आवश्यक्ता नहीं है।

(ग) धारा 117 ही निर्गमित ऋणपत्रों तथा मोचन के लिए लंबित ऋणपत्रों पर लागू होगा इनके साथ डी. आर. आर. उन ऋणपत्रों हेतु भी तैयार किया जाएगा जिन्हें 13.12.2000 से पहले निर्गम किया गया और मोचन के लिए लंबित हों।

(छ) धारा 117 की उन गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्रों पर भी लागू होगा जिनका अंशत: या पूर्णत: निर्गम के समय प्रदत्त थे।

ऋणपत्र मोचन निधि खाता तुलन पत्र में देनदारियों की तरफ निधि एवं अधिशेष के शीर्ष में दर्शाएं जाएंगे। जब ऋण मोचित हो जाते हैं तो अपेक्षित ऋणपत्र मोचन निधि की राशि निम्नलिखित रोजनामचा प्रविष्टियों के अभिलेखन के साथ सामान्य निधि में हस्तांतरित हो जाएंगी।

© NCERT not to be republished

उदाहरण 24

एक्स वाई जेड लि॰ में 100 रु. प्रत्येक के 200, 15% ऋणपत्र 10% बट्टे पर जारी किए जो लाभ में से10% प्रीमियम के साथ मोचनीय है। ऋणपत्र के निर्गम एवं मोचन के समय की रोजनामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित कर अगर चौथे वर्ष के अंत में एकमुश्त मोचित किया जाता है। निदेशक मंडल ने तय किया कि 31 दिसंबर 2002 को ऋणपत्र मोचन निधि न्यूनतम राशि हस्तांतरित किया जाएगा।

हल

एक्स वाइ ज़ेड लिमिटेड की खाता पुस्तकें
रोजनामचा

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
1 जन. 2002	बैंक खाता नाम ऋणपत्र निर्गम पर हानि नाम 15% ऋणपत्र खाते से ऋणपत्र मोचन पर प्रीमियम खाते से (10% बट्टे पर ऋणपत्र का निर्गम तथा 10% प्रीमियम पर मोचन)		18,000 4,000	 20,000 2,000
31 दिस.	लाभ व हानि विनियोजन खाता नाम ऋणपत्र मोचन निधि खाते से (धारा 117 (सी) तथा सेबी के अनुसार लाभ का ऋणपत्र प्रीमियम खाता)		10,000	 10,000
31 दिसं. 2004	15% ऋणपत्र खाता नाम ऋणपत्र मोचन प्रीमियम खाता नाम ऋणपत्र खाते से (मोचन पर बकाया राशि)		20,000 2,000	 22,000
	ऋणपत्र धारक खाता नाम बैंक खाते से (ऋणपत्र धारकों को भुगतान की गयी राशि)		22,000	 22,000
	ऋणपत्र मोचत आरक्षित खाता नाम सामान्य निधि खाते से (ऋणपत्र मोचन निधि का सामान्य निधि में मोचन के पश्चात)		 10,000	 10,000

© NCERT not to be republished

यहाँ ध्यान दिया जा सकता है कि तैयार की गयीं ऋणपत्र मोचन निधि में ऋण के मोचन को लाभ से मोचन के रूप में बताया गया है अथवा, इसे पूंजी में से मोचित माना जाएगा।

स्वयं करें

1. एक्स लिमिटेड ने यह निर्णय लिया है कि 100 रु. प्रत्येक के 8,000, 10% ऋणपत्रों के 1 जनवरी 2004 में 5% प्रीमियम पर मोचित करेगी। कंपनी अपने लाभ व हानि खाते के जमा में 9,00,000 रु. का शेष रखती है। कंपनी प्रतिवर्ष अपनी खाता पुस्तकें 31 दिसंबर को बंद करती है। उपर्युक्त ऋणपत्रों को मोचित करने के लिए कंपनी कौन सी रोजनामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित करेगी।
2. जी लिमिटेड ने 1 अप्रैल 2002 को 100 रु. प्रत्येक के 5,00,000, 12% ऋणपत्र निर्गमित किए और वे सममूल्य पर जुलाई 2003 को मोचनीय हैं। कंपनी ने 6,00,000 ऋणपत्रों हेतु आवेदन प्राप्त किए और सभी आवेदनों पर अनुपातानुसार ऋणपत्रों को आबंटित करती है। ऋणपत्रों को देयतिथि पर मोचित किया गया। मोचन किए जाने से पूर्व कंपनी ने ऋणपत्र मोचन निधि हेतु कितनी राशि तैयार की। इसके साथ ही ऋणपत्र के निर्गम एवं मोचन हेतु आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें। स्रोत पर कर की कटौती संबंधी प्रविष्टि न करें ।

2.12.2 किस्तों में भुगतान द्वारा मोचन

जब निर्गम के नियमानुसार, ऋणपत्रों का किस्तों में मोचन एक विशिष्ट वर्ष से प्रारंभ हो जाता है वास्तविक मोचन वाले ऋणपत्रों का चुनाव प्रायः लाटरी प्रक्रिया द्वारा होता है और यह मोचन या तो लाभ में से किया जाता है या पूंजी में से। इसकी प्रविष्टियाँ निम्नवत् होंगी।

1. *यदि लाभ से मोचित होते हैं-*

(क) लाभ एवं हानि विनियोजन खाता नाम
  ऋणपत्र मोचन निधि खाते से

(ख) ऋणपत्र खाता नाम
  ऋणपत्र धारक से

(ग) ऋणपत्र धारक नाम
  बैंक खाते से

2. *यदि पूँजी से मोचित होते हैं-*

(क) ऋणपत्र खाता नाम
  ऋणपत्र धारक खाते से

(ख) ऋणपत्र धारक खाता नाम
  बैंक खाते से

© NCERT not to be republished

उदाहरण 25

ए.बी.सी लिमिटेड ने 1 जनवरी 2002 को 5% बट्टे पर 100 रु. प्रत्येक के 3,000, 14% ऋणपत्र जारी किए। इन ऋणपत्रों पर ब्याज प्रत्येक वर्ष का 31 दिसंबर को देय है। यह ऋणपत्र तीन समान किस्तों में मोचनीय हैं और जो तीसरे, चौथे तथा पाँचवे वर्ष के अंत में देय हैं। कंपनी की खाता पुस्तकों में 14% ऋणपत्र खाता तैयार करें तथा ऋणपत्र निर्गम का बट्टा खाता तथा ऋणपत्र ब्याज खाता भी तैयार करें।

हल

14% ऋणपत्र खाता

नाम *जमा*

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*	*तिथि*	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*
2002				2002			
31 दिसं.	शेष आ/ले		3,00,000	1 जन.	ऋणपत्र आवेदन खाता		2,85,000
				31 दिसं.	ऋणपत्र निर्गम पर बट्टा खाता		15,000
			3,00,000				**3,00,000**
2003				2003			
31 दिसं.	शेष आ/ले		3,00,000	1 जन.	शेष आ/ला		3,00,000
			3,00,000				**3,00,000**
2004				2004			
31 दिसं.	बैंक खाता		1,00,000	1 जन.	शेष आ/ला		3,00,000
31 दिसं.	शेष आ/ले		2,00,000				
			3,00,000				**3,00,000**
2005				2005			
31 दिसं.	बैंक खाता		1,00,000	1 जन.	शेष आ/ला		2,00,000
31 दिसं.	शेष आ/ले		1,00,000				
			2,00,000				**2,00,000**
2006				2006			
31 दिसं.	शेष आ/ले		1,00,000	1 जन.	शेष आ/ला		1,00,000
			1,00,000				**1,00,000**

© NCERT not to be republished

ऋणपत्र ब्याज खाता

नाम *जमा*

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*	*तिथि*	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*
2002 31 दिसं.	बैंक		**42,000**	2002 31 दिसं.	लाभ व हानि		**42,000**
2003 31 दिसं.	बैंक		**42,000**	2003 31 दिसं.	लाभ व हानि		**42,000**
2004 31 दिसं.	बैंक		**42,000**	2004 31 दिसं.	लाभ व हानि		**42,000**
2005 31 दिसं.	बैंक		**28,000**	2005 31 दिसं.	लाभ व हानि		**28,000**
2006 31 दिसं.	बैंक		**14,000**	2006 31 दिसं.	लाभ व हानि		**14,000**

ऋणपत्र निर्गम पर बट्‌टा खाता

नाम *जमा*

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*	*तिथि*	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*
2002 1 जन.	शेष आ/ले		15,000	2002 31 दिसं.	लाभ व हानि		3,750
				31 दिसं.	शेष आ/ले		11,250
			15,000				**15,000**
2003 1 जन.	शेष आ/ले		11,250	2003 31 दिसं.	लाभ व हानि		3,750
				31 दिसं.	शेष आ/ले		7,500
			11,250				**11,250**
2004 1 जन.	शेष आ/ले		7,500	2004 31 दिसं.	लाभ व हानि		3,750
				31 दिसं.	शेष आ/ले		3,750
			7,500				**7,500**

© NCERT not to be republished

2005				2005			
1 जन.	शेष आ/ले		3,750	31 दिसं.	लाभ व हानि		2,500
				31 दिसं.	शेष आ/ले		1,250
			3,750				**3,750**
2006				2006			
1 जन.	शेष आ/ले		1,250	31 दिसं.	शेष आ/ले		1,250
			1,250				**1,250**

कार्यकारी टिप्पणी:

1. प्रत्येक वर्ष की शुरूआत में ऋणपत्र बकाया राशि पर 14% ऋणपत्र ब्याज परिकलित किया गया। प्रत्येक वर्ष 1 जनवरी को ऋणपत्रों की बकाया राशि निम्नलिखित है–

	बकाया ऋणपत्र
	रु.
2002 का प्रारंभ	3,00,000
2003 का प्रारंभ	3,00,000
2004 का प्रारंभ	3,00,000
2005 का प्रारंभ	2,00,000
2006 का प्रारंभ	1,00,000

2. ऋणपत्र निर्गम पर बट्टे को प्रति वर्ष के प्रारंभ में ऋणपत्र बकाया राशि को अनुपातानुसार अपलिखित किया जाएगा।

वर्ष		**राशि**
	रु.	**रु.**
2002	$15{,}000 \times \frac{3}{12}$	3,750
2003	$15{,}000 \times \frac{3}{12}$	3,750
2004	$15{,}000 \times \frac{3}{12}$	3,750
2005	$15{,}000 \times \frac{2}{12}$	2,500
2006	$15{,}000 \times \frac{1}{12}$	1,250

यह ध्यान देने योग्य है कि कंपनी प्रतिवर्ष मोचिनीय ऋणपत्रों को अंकित मूल्य के बराबर राशि को प्रतिवर्ष हस्तांतरित करेगी और (पाँचवें वर्ष के अंत में (31.12.2006) इसी राशि को सामान्य निधि में हस्तांतरित किया जाएगा।

© NCERT not to be republished

2.13 खुले बाजार में क्रय द्वारा मोचन

जब एक कंपनी अपने ही ऋणपत्रों को तत्काल निरस्तीकरण (रद्दीकरण) हेतु खुले बाजार में ऋणपत्रों की खरीद करती है, तब ऐसे ऋणपत्रों की खरीद एवं निरसन को खुले बाजार में खरीद द्वारा मोचन कहते हैं। ऐसे विकल्प से लाभ यह है कि कंपनी आपकी सुविधानुसार ऋणपत्रों को मोचित कर सकती हैं जब भी कंपनी के अधिशेष फंड उपलब्ध हों। दूसरे कंपनी उन्हें तब खरीद सकती है जब बाजार में एक बट्टे के साथ उपलब्ध हों।

जब ऋणपत्रों को खुले बाजार से बट्टे में खरीदा एवं रद्द किया जाता है तब रोजनामचा प्रविष्टियों को निम्नवत अभिलिखित करते हैं–

1. *तत्काल निरस्तीकरण हेतु ऋणपत्रों की खरीद*
   ऋणपत्र खाता नाम
   बैंक खाते से
   ऋणपत्रों के मोचन पर लाभ खाते से
2. *मोचन पर लाभ का हस्तांतरण*
   ऋणपत्र के मोचन पर लाभ खाता नाम
   पूंजी आरक्षित से

यदि किसी मामले में ऋणपत्र को उस मूल्य पर बाजार से खरीदा जाता है जो कि साधारण मूल्य से अधिक हो, तब इस आधिक्य राशि को ऋणपत्रों के मोचन पर घाटा या हानि में नाम किया जाएगा। ऐसे मामले में रोजनामचा प्रविष्टियाँ निम्नवत होंगी–

1. ऋणपत्र खाता नाम
   ऋणपत्र के मोचन पर हानि खाता नाम
   बैंक खाते से
2. लाभ व हानि खाता नाम
   ऋणपत्र के मोचन पर हानि खाते से

उदाहरण 26

एक्स लिमिटेड ने 100 रु. प्रत्येक के 20,000 रु. के अंकित मूल्य के ऋणपत्रों को खुले बाजार से निरसन के लिए 92 रु. पर खरीदा। आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें।

© NCERT not to be republished

हल

एक्स लिमिटेड की पुस्तकें
रोजनामचा

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
	ऋणपत्र खाता नाम बैंक खाते से ऋणपत्र मोचन पर लाभ खाते से (बाजार से अपना ही ऋणपत्र 92 रु. में खरीदा गया)		20,000	 18,400 1,600
	ऋणपत्र के मोचन पर लाभ खाता नाम पूंजी आरक्षित से (ऋणपत्र के निरसन के लाभ को पूंजी निधि में हस्तांतरण)		1,600	 1,600
	लाभ व हानि विनियोजिन खाता नाम ऋणपत्र मोचन निधि (लाभ को ऋणपत्र मोचन निधि में हस्तांतरित करना)		20,000 20,000	

उदाहरण 27

एक्स लिमिटेड ने निर्णय लिया कि 25,000 रु. के 12% ऋणपत्रों को मोचित करे। इसने 20,000 रु. के ऋणपत्रों को खुले बाजार से 98.50 रु. प्रत्येक में खरीदा 1,100 रु. खर्च आए और 5,000 रु. के ऋणपत्रों का लाटरी द्वारा निकाल कर मोचित किया गया, रोजनामचा प्रविष्टियाँ करें।

हल

एक्स लिमिटेड की पुस्तकें
रोजनामचा

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
	12% ऋणपत्र खाता नाम बैंक खाते से ऋणपत्रों के मोचन पर लाभ खाते से (98.5 रु. की दर से 200 ऋणपत्रों की खरीद तथा 100 रु. व्यय)		20,000	 19,800 200

© NCERT not to be republished

	12% ऋणपत्र खाता नाम बैंक खाते से (5,000 रु. के ऋणपत्रों का मोचन)		5,000	 5,000
	ऋणपत्रों के मोचन पर लाभ खाता नाम पूंजी निधि से (ऋणपत्रों के मोचन के लाभ को पूंजी निधि में हस्तांतरण)		200	 200
	लाभ व हानि विनियोजित खाता नाम ऋणपत्र मोचन निधि खाते से (लाभ का ऋणपत्र मोचन निधि में हस्तांतरण)		25,000	 25,000

टिप्पणी: ऋणपत्र मोचन निधि के शेष को सामान्य निधि के अंतर्गत यह मानकर नहीं हस्तांतरित किया गया कि कंपनी अभी भी भविष्य में ऋणपत्र देनदारियों का मोचन करेगी।

उदाहरण 28

1 जनवरी 2004 को, कंपनी ने 1,000 रु. प्रत्येक को 960 रु. प्रत्येक ऋणपत्र की दर से 1,000, 6% ऋणपत्र निर्गमित किए। निर्गमन के नियमानुसार 2005 के अंत में हर वर्ष 200 रु. के मोचन की सुविधा या तो खरीद के द्वारा तथा सममूल्य पर लाटरी द्वारा मोचन करने का प्रावधान है। ऋणपत्र बट्टे खाते को 10,000 रुपयों को 2004 एवं 2005 में अपलिखित किया गया। 31.12.2005 को कंपनी ने ऋणपत्र रद्द करने के लिए 950 रु. प्रति ऋणपत्र की दर से 80,000 रु. अंकित मूल्य के तथा 900 रु. प्रति ऋणपत्र की दर से 80,000 रु. अंकित मूल्य के तथा 900 रु. प्रति ऋणपत्र की दर से 1,20,000 अंकित मूल्य के ऋणपत्र खरीदे।

उपर्युक्त लेनदेन की रोजनामचा प्रविष्टियाँ तैयार करें तथा मोचन से हुए लाभ के रद्दीकरण को दर्शाएँ।

हल

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
1 जन. 2004	बैंक खाता नाम 6% ऋणपत्र आवेदन व आबंटन खाते से (ऋणपत्र आवेदन राशि प्राप्त की गई)		9.60,000	 9,60,000
	6% ऋणपत्र आवेदन व आबंटन खाता नाम ऋणपत्र के निर्गम पर बट्टा खाता नाम 6% ऋणपत्र खाते से (ऋणपत्र आवेदन राशि का ऋणपत्र खाते में हस्तांतरण)		9,60,000 40,000	 10,00,000

not to be republished © NCERT

दिस.31	लाभ व हानि खाता नाम ऋणपत्र के निर्गम पर बट्टा खाते से (ऋणपत्र निर्गम के बट्टे का अपलेखन)		10,000	 10,000
2005 दिस.31	6% ऋणपत्र खाता नाम बैंक खाते से ऋणपत्र के मोचन पर लाभ खाते से (950 रु. की दर से खरीद 8 ऋणपत्रों का मोचन)		80,000	 76,000 4,000
दिस.31	6% ऋणपत्र खाता नाम बैंक खाते से ऋणपत्र के मोचन पर लाभ खाते से (900 रु. की दर से खुले बाजार में खरीदे 12 ऋणपत्रों का मोचन)		1,20,000	 1,08,000 12,000
दिस.31	ऋणपत्र के मोचन पर लाभ खाता नाम पूंजी आरक्षित से (ऋणपत्रों के निरसन से हुए लाभ की पूँजी निधि में हस्तांतरण)		16,000 16,000	
दिस.31	लाभ व हानि विनियोजन खाता नाम ऋणपत्र मोचन निधि खाता (लाभ का ऋणपत्र खाते में हस्तांतरण)		2,00,000	 2,00,000
दिस.31	लाभ व हानि खाता नाम ऋणपत्र के निर्गम पर बट्टा खाते से (ऋणपत्र पर बट्टे का अपलेखन)		10,000	 10,000

2.14 परिवर्तन द्वारा मोचन

जैसा कि पहले बताया जा चुका है कि ऋणपत्र को ऋणपत्र मोचन तब भी किया जा सकता है जब इसे अंश या नए ऋणपत्र में परिवर्तित कर दिया जाए। यदि ऋणपत्र धारकों को यह प्रस्ताव लाभदायक लगता है तो वे इस प्रस्ताव को मान लेंगे। नए अंश या ऋणपत्रों को सममूल्य पर बट्टे पर या प्रीमियम पर निर्गमित किया जा सकता है। यह ध्यान देने योग्य है कि यदि यह परिवर्तनीय ऋणपत्र है तो ऐसी स्थिति में किसी ऋणपत्र मोचन निधि की आवश्यकता नहीं है क्योंकि इसके मोचन के लिए किसी निधि की आवश्यकता नहीं होती है।

© NCERT not to be republished

उदाहरण 29

अर्जुन प्लास्टिक्स लिमिटेड ने 100 रु. प्रत्येक के 1,000, 15% ऋणपत्रों को 10 रु. प्रति समता अंश में एक 2.50 रु. प्रतिअंश के द्वारा ऋणपत्रों को परिवर्तनीयता के द्वारा मोचिन किया गया इसके साथ ही कंपनी ने 50,000 रु. के लाभ का उपयोग करते हुए 500 ऋणपत्रों को भी मोचित किया। आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ दें।

हल

अर्जुन प्लास्टिक लिमिटेड की पुस्तकें
रोजनामचा

तिथि	*विवरण*		*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
	15% ऋणपत्र खाता ऋणपत्र धारक से (ऋणपत्र धारकों को बकाया राशि)	नाम		1,00,000	 1,00,000
	ऋणपत्र धारक समता अंश पूंजी खाते से प्रतिभूति प्रीमियम खाते से (2.50 रु. के प्रीमियम पर 800 समता अंश का निर्गम हुआ)	नाम		1,00,000	 80,000 20,000
	ऋणपत्र खाता ऋणपत्र धारक खाते से (ऋणपत्र धारकों को बकाया राशि)	नाम		50,000	 50,000
	ऋणपत्र धारक बैंक खाते से (ऋणपत्र धारकों को भुगतान)	नाम		50,000	 50,000
	लाभ व हानि विनियोजन खाता ऋणपत्र मोचन निधि खाते से (लाभ का ऋणपत्र मोचन निधि में हस्तांतरण)	नाम		50,000	 50,000

2.15 निक्षेप निधि विधि

ऋणपत्र को एक विशिष्ट अवधि के समापन पर मोचित करने के लिए पर्याप्त निधियों की आवश्यकता होती है। इस आवश्यकता की पूर्ति के लिए कंपनी एक निक्षेप निधि तैयार करने तथा पर्याप्त राशि अन्य व्यावसायिक

© NCERT not to be republished

इकाइयों की प्रतिभूतियों में निवेश करने का निर्णय ले सकती हैं। सामान्यत: एक कंपनी यह सुनिश्चित करती है कि प्रतिवर्ष एक समान राशि को अलग रखते हुए एक निधि तैयार करें ताकि मोचन के समय पर्याप्त निधि उपलब्ध हों। इसे निक्षेप निधि उपाय या निधि कहते हैं। जबकि कंपनी प्रतिवर्ष एक अदृश्य लाभ के एक भाग को एक ओर रखती हैं और उसमें से कुछ हिस्सा व्यवसाय से बाहर की विक्रय प्रतिभूतियों में निवेश किया जाता है। निक्षेप निधि सारणी द्वारा एक औचित्य पूर्ण राशि परिकलित की जाती है जो निवेश से प्राप्त प्रत्याय पर निर्भर करता है तथा उन वर्षो की संख्या पर भी जितने दिनों तक निवेश किया गया। इस प्रकार से यह राशि प्रतिवर्ष ऋणपत्र मोचन निधि में लाभ से हस्तांतरण का अभिनिश्चयन कराती है और इसके निवेश को ऋणपत्र मोचन निधि निवेश कहा जाता है। यह निवेश कुछ निश्चित मात्रा में लाभ या आय (इसे ब्याज कह सकते हैं) अर्जित करता है जिसे कि आगामी वर्षों में दूसरी उद्देश्य से स्थिर विनियोजित राशि के साथ पुन: निवेशित किया जा सकता है। आखिरी वर्ष में प्राप्त किया गया ब्याज तथा विनियोजित स्थिर राशि नहीं निवेशित की जाती है। वास्तव में इस स्थिति पर ऋणपत्र मोचन निधि निवेश को भुना लिया जाता है तथा प्राप्त राशि को ऋणपत्रों के मोचन में उपयोग किया जाता है। ऋणपत्र मोचन निधि निवेश के भुनाने में हुआ किसी भी लाभ या हानि को भी ऋणपत्र मोचन निधि खाते में हस्तांतरित कर दिया जाता है। ऋणपत्र मोचन निधि खाता का निर्माण ऋणपत्र मोचन निधि के उद्देश्य को पूरा करता है जैसा कि कानूनी तौर पर तथा सेबी के मार्गनिर्देशों के अनुसार आवश्यक होती है। और मोचन के पश्चात हुए सामान्य निधि या निधि में हस्तांतरित कर दिया जाता है।

अंत: निक्षेप निधि विधि में कार्यशील चरणों में शामिल हैं-

1. निक्षेप निधि सारणी की सहायता से वार्षिक आधार पर लाभ की एक परिकरित राशि एक ओर निकाल कर रखी जाती है।
2. लाभ की एक राशि का हिस्सा हर वर्ष के अंत में निकाला जाता है क्या ऋणपत्र मोचन निधि खाते में जमा किया जाता है।
3. पहली वर्ष की समाप्ति पर उतने ही बराबर राशि के निवेश खरीदे जाते हैं और इसे ऋणपत्र मोचन निधि निर्देश खाते से नाम किया जाता है।
4. प्रत्येक परिवर्ती वर्ष को अंत में निवेश पर ब्याज को प्राप्त किया जाता है।
5. निवेश की खरीद राशि के बराबर लाभ की स्थिर राशि को एक तरफ निकाल कर रखते हैं तथा प्रतिवर्ष अर्जित ब्याज (अंतिम वर्ष को छोड़ कर) (मोचन का वर्ष) को भी साथ रखते हैं।
6. अंतिम वर्ष के लिए निवेश के ब्याज को प्राप्त करना।
7. अंतिम वर्ष के लाभ से स्थिर राशि को एक ओर रखना।
8. मोचन वर्ष के अंत में निवेशों को भुनाना।
9. निवेश की बिक्री पर हुए लाभ/हानि तुलनपत्र के ऋणपत्र मोचन निधि निवेश खाते से ऋणपत्र मोचन निधि खाते में बिबिंत होती है।
10. ऋणपत्र धारकों को भुगतान करना
11. ऋणपत्र मोचन निधि खाते के शेष को सामान्य निधि में हस्तांतरित करना।

© NCERT not to be republished

निक्षेप निधि विधि का उपयोग स्वाभाविक रूप से ऋणपत्रों के मोचन में एकमुश्त भुगतान पर किया जाता है तथा वर्ष-दर वर्ष रोजनामचा प्रविष्टियाँ निम्नानुसार पारित की जाती हैं–

1. *पहले वर्ष की समाप्ति पर*

(क) मोचन के लिए लाभ की एक स्थिर राशि एक तरफ निकाल कर रखी गई।
लाभ व हानि विनियोग खाता नाम
ऋणपत्र मोचन निधि खाते से

(ख) मोचन के लिए एक ओर रखी राशि के निदेश हेतु
ऋणपत्र मोचन निधि निवेश खाता नाम
बैंक खाते से

2. *अंतिम वर्ष के अलावा दूसरे एवं परिवर्ती के समापन पर*

(क) ऋणपत्र मोचन निधि निवेश की ब्याज प्राप्ति के लिए
बैंक खाते से नाम
ऋणपत्र मोचन निधि विहा पर ब्याज खाते से

(ख) ऋणपत्र (मोचन निधि निवेश पर ब्याज से ऋणपत्र मोचन निधि खाते में ब्याज का हस्तांतरण।
ऋणपत्र मोचन निधि निवेश पर कारण खाता नाम
ऋणपत्र मोचन निधि खाते से

(ग) मोचन के लिए लाभ से स्थिर राशि को एक ओर रखना
लाभ व हानि विनियोजन खाता नाम
ऋणपत्र मोचन निधि खाते से

(घ) ऋणपत्र मोचन निधि निवेश से प्राप्त ब्याज तथा लाभ से मोचन हेतु एक तरफ निकाली गई राशि के निवेश हेतु
ऋणपत्र मोचन निधि निवेश खाता नाम
बैंक खाते से

3. *अंतिम वर्ष की समाप्ति पर*

(क) ब्याज की प्राप्ति हेतु
बैंक खाता नाम
ऋणपत्र मोचन निधि निवेश पर ब्याज खाता

(ख) ऋणपत्र मोचन निधि निवेश पर ब्याज का ऋणपत्र मोचन निधि निवेश खाते में हस्तांतरण
ऋणपत्र मोचन निधि निवेश पर ब्याज खाता नाम
ऋणपत्र मोचन निधि खाते से

(ग) मोचन हेतु लाभ की एक स्थिर राशि एक ओर रखने हेतु
लाभ व हानि विनियोजन खाता नाम
ऋणपत्र मोचन निधि खाते से

© NCERT not to be republished

(घ) ऋणपत्र मोचन निधि निवेश के भुनाने हेतु
बैंक खाता नाम
ऋणपत्र मोचन निधि निवेश खाते से

(च) ऋणपत्र मोचन निधि निवेश के वसूलने पर लाभ/हानि के हस्तांतरण पर
लाभ की स्थिति में-
ऋणपत्र मोचन निधि निवेश खाता नाम
ऋणपत्र मोचन निधि खाते से
हानि की स्थिति में-
ऋणपत्र मोचन निधि खाता नाम
ऋणपत्र मोचन निधि निवेश खाते से

(छ) मोचन पर ऋणपत्र धारकों के देय राशि हेतु
ऋणपत्र खाता नाम
ऋणपत्र धारक खाते से

(ज) ऋणपत्र धारकों के भुगतान पर
ऋणपत्र धारक खाता नाम
बैंक खाते से

(झ) ऋणपत्र मोचन निधि खाता शेष के सामान्य निधि में हस्तांतरण हेतु
ऋणपत्र मोचन निधि खाता नाम
सामान्य निधि खाते से

उदाहरण 30

एक्स लिमिटेड ने 1 जनवरी 2000 को 10,00,000 रु. के ऋणपत्र निर्गम किए। ये ऋणपत्र 3 दिसंबर 2002 को मोचनीय हैं। इस उद्देश्य हेतु कंपनी ने एक निक्षेप निधि स्थापित की थी। निवेशों से अपेक्षा थी कि 5% वार्षिक ब्याज अर्जित करेंगे। निक्षेप निधि सारणी यह दर्शाती है कि यदि 5% की दर से 0.317208 रु. निवेशित किये जाएँ तो 3 वर्ष पश्चात मूल्य 1 रुपया होगा। 31 दिसंबर 2002 को बैंक शेष निक्षेप निधि निवेश के ब्याज प्राप्ति से पहले 4,20,000 रु. था। उसी तिथि पर निवेशों को 6.56,000 रु. में बेचा गया।

ब्याज को रुपये के निकटत्म ज्ञात करें और निवेशों को 100 रु. के आधार पर रखें। आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ अभिलेखित करें। इसके साथ ही कंपनी की खाता पुस्तकों में ऋणपत्र खाता, ऋणपत्र मोचन निधि खाता तथा ऋणपत्र मोचन निधि निवेश खाता तैयार करें।

© NCERT not to be republished

हल

एक्स लिमिटेड की पुस्तकें
रोजनामचा

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
2004 1 जन.	बैंक खाता नाम ऋणपत्र खाते से (10,00,000 ऋिणपत्रों का निर्गम)		10,00,000	 10,00,000
31 दिसं.	लाभ व हानि विनियोजन खाता नाम ऋणपत्र मोचन निधि खाते से (मोचन के लिए वार्षिक किस्त को लाभ व हानि खाता में नाम किया गया)		3,17,208	 3,17,208
	ऋणपत्र मोचन निधि निवेश खाता नाम बैंक खाते से (निवेश खरीद)		3,17,200	 3,17,200
31 दिसं. 2001	बैंक खाता नाम ऋणपत्र मोचन निधि निवेश पर ब्याज खाते से (निवेश पर 5% ब्याज प्राप्त की गई)		15,860	 15,860
	ऋणपत्र मोचन निवेश निधि पर ब्याज खाता नाम ऋणपत्र मोचन निधि निवेश खाते से (ऋणपत्र मोचन निधि निवेश पर ब्याज ऋणपत्र मोचन निधि हस्तांतरित)		15,860	 15,860
	लाभ व हानि विनियोजन खाता नाम ऋणपत्र मोचन निधि खाते से (वार्षिक किस्त लाभ व हानि विनियोजन खाता में नामे की गई)		3,17,208	 3,17,208
	ऋणपत्र मोचन निधि निवेश खाता नाम बैंक खाते से (वार्षिक किस्त + ब्याज के लिए निवेश खरीद)		3,33,100	 3,33,100

© NCERT not to be republished

31 दिसं. 2002	बैंक खाता नाम ऋणपत्र मोचन निधि निवेश पर ब्याज खाते से (निवेश पर 5% की दर से ब्याज प्राप्त)		32,516	32,516
	ऋणपत्र मोचन निधि निवेश पर ब्याज खाता नाम ऋणपत्र मोचन निधि खाता (दि प्रं नि नि पर ब्याज को ऋणपत्र मोचन निधि में हस्तांतरित किया गया)		32,516	32,516
	लाभ व हानि खाता नाम ऋणपत्र मोचन निधि खाता (वार्षि किस्त को लाभ व हानि विनियोग खाता में नाम की गई)		3,17,208	3,17,208
	बैंक खाता नाम ऋणपत्र मोचन निधि निवेश खाते से (दि प्र नि नि की विक्रय प्रक्रिया)		6,56,000	6,56,000
	ऋणपत्र मोचन निधि निवेश खाता नाम ऋणपत्र मोचन निधि खाता (निवेश की विक्री पर हुए लाभ को ऋणपत्र मोचन निधि में हस्तांतरित किया गया)		5,700	5,700
	ऋणपत्र खाता नाम ऋणपत्र धारक खाते से (ऋणपत्र राशि को ऋणपत्रधारकों में हस्तांतरित किया गया)		10,00,000	10,00,000
	ऋणपत्र धारक खाता नाम बैंक खाते से (ऋणपत्र धारकों को राशि भुगतान की गई)		10,00,000	10,00,000
	ऋणपत्र मोचन निधि खाता नाम समान्य निधि खाता (ऋणपत्र मोचन निधि खाते के जमा शेष का सामान्य निधि में हस्तांतरण)		10,05,700	10,05,700

© NCERT not to be republished

ऋणपत्र खाता

नाम *जमा*

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*	*तिथि*	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*
2000				2000			
31 दिसं.	शेष आ/ले		10,00,000	1 जन.	बैंक		10,00,000
			10,00,000				**10,00,000**
2001				2001			
31 दिसं.	शेष आ/ले		10,00,000	1 जन.	शेष आ/ला		10,00,000
			10,00,000				**10,00,000**
2002				2002			
31 दिसं.	बैंक		10,00,000	1 जन.	शेष आ/ला		10,00,000
			10,00,000				**10,00,000**

ऋणपत्र मोचन निधि खाता

नाम *जमा*

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*	*तिथि*	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*
2000				2000			
31 दिसं.	शेष आ/ले		3,17,208	1 जन.	लाभ व हानि विनियोजन खाता		3,17,208
			3,17,208				**3,17,208**
2001				2001			
31 दिसं.	शेष आ/ले		6,50,276	1 जन.	शेष आ/ला		3,17,208
					ऋणपत्र मोचन निधि निवेश पर ब्याज		15,860
					लाभ व हानि विनियोजन		3,17,208
			6,50,276				**6,50,276**
2002				2002			
31 दिसं.	सामान्य आरक्षित		10,05,700	1 जन.	शेष आ/ला		6,50,276
					ऋणपत्र मोचन निधि निवेश पर ब्याज		32,516
					लाभ व हानि विनियोजन		3,17,208
					ऋणपत्र मोचन निधि निवेश पर ब्याज		5,700
			10,05,700				**10,05,700**

© NCERT not to be republished

ऋणपत्र मोचन निधि निवेश खाता

नाम *जमा*

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*	*तिथि*	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*
31 दिसं. 2000	बैंक		3,17,200	1 जन. 2000	बैंक		3,17,200
			3,17,200				**3,17,200**
31 दिसं. 2001	शेष आ/ला		2001 3,17,200	1 जन.	शेष आ/ले		6,50,300
	बैंक		3,33,100				
			6,50,300				**6,50,300**
31 दिसं. 2002	शेष आ/ला		6,50,300	1 जन. 2002	बैंक (विक्रय राशि)		6,56,000
	ऋणपत्र मोचन निधि		5,700				
			6,56,000				**6,56,000**

सूचना: मोचन के लिए एक ओर लाभ से निकाली गई वार्षिक किस्त है:
$0.317208 \times 10,00,000 = 3,17,208$. रु.

बैंक खाता

नाम *जमा*

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*	*तिथि*	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*
31 दिसं. 2002	शेष आ/ला		4,20,000	31 दिसं. 2002	ऋणपत्र		10,00,000
	ऋणपत्र मोचन निधि		6,56,000		शेष आ/ले		76,000
			10,76,000				**10,76,000**
1 जन. 2003	शेष आ/ला		76,000				

उदाहरण 31

एक्स वाई जेड लिमिटेड का तुलन पत्र 31 दिसं. 2003 पर निम्न सूचनाएं उजागर करता है–

© NCERT not to be republished

15% ऋणपत्र	15,00,000
ऋणपत्र मोचन निधि	11,63,600
ऋणपत्र मोचन निधि निवेश (10% सरकारी प्रतिभूतियाँ)	11,63,600

वर्ष 2004 व 2005 के लिए प्रतिवर्ष ऋणपत्र मोचन निधि में भागीदारी 1,30,800 रु. वार्षिक थी। ऋणपत्रों के भुगतान की देय तिथि 31 दिसंबर 2005 को प्रतिभूतियों को वसूल पाया गया जो राशि व ब्याज सहित 13,52,000 रु. थी तथा जिन्हें 31 दिसंबर के तुरंत बाद निर्दर्शित कर दिया गया था।

हल

ऋणपत्र खाता

नाम *जमा*

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*	*तिथि*	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*
31 दिसं. 2004	शेष आ/ले		15,00,000	1 जन. 2004	शेष आ/ला		15,00,000
			15,00,000				**15,00,000**
31 दिसं. 2005	बैंक		15,00,000	1 जन. 2005	शेष आ/ला		15,00,000
			15,00,000				**15,00,000**

ऋणपत्र मोचन निधि खाता

नाम *जमा*

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*	*तिथि*	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*
31 दिसं. 2004	शेष आ/ले		14,10,760	1 जन. 2004	शेष आ/ला		11,63,600
					ऋणपत्र मोचन निधि निवेश		1,16,360
				31 दिसं.	लाभ व हानि विनियोजन		1,30,800
			14,10,760				**14,10,760**

© NCERT not to be republished

31 दिसं.			2005		
2005	निक्षेप निधि निवेश	58,760	1 जन.	शेष आ/ला	14,10,760
			31 दिसं.	ऋणपत्र मोचन पर ब्याज निधि निवेश	1,41,076
	सामान्य निधि	16,23,876		लाभ व हानि विनियोजन	1,30,800
		16,82,636			**16,82,636**

ऋणपत्र मोचन निधि निवेश खाता

नाम *जमा*

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*	*तिथि*	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*
2004				2004			
Jan.01	शेष आ/ला		11,63,600	31 दिसं.	शेष आ/ले		14,10,760
31 दिसं.	बैंक		2,47,160				
			14,10,760				**14,10,760**
2005				2005			
1 जन.	शेष आ/ला		14,10,760	31 दिसं.	बैंक		13,52,000
					ऋणपत्र मोचन निधि		58,760
			14,10,760				**14,10,760**

उदाहरण 32

एल सी एम लिमिटेड ने अपने 500 रु. प्रत्येक के 10,00,000, 9% ऋणपत्रों को 480 रु. प्रत्येक निरसन के लिए खरीदे। आवश्येक रोजनामचा प्रविष्टियों दें।

हल

एल सी एम लिमिटेड की पुस्तकें

रोजनामचा

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
	स्वयं के ऋणपत्र नाम बैंक खाते से (480 रु. प्रत्येक पर अपने ऋणपत्रों का क्रय)		48,00,00,000	48,00,00,000

© NCERT not to be republished

	9% ऋणपत्र खाता नाम स्वंय ऋणपत्र ऋणपत्रों के रद्दीकरण पर लाभ (रद्दीकरण के लिए अपने ही ऋणपत्रों की खरीद)			50,00,00,000	 48,00,00,000 2,00,00,000
	ऋणपत्रों के निरसन पर लाभ खाता नाम पूँजी निधि (ऋणपत्र रद्दीकरण पर हुए लाभ का पूँजी निधि में हस्तांतरण)			2,00,00,000	 2,00,00,000

उदाहरण 33

मधु लिमिटेड की खाता मुस्तकों में अप्रैल 1, 2000 को निम्न शेष उपलब्ध हैं:

	(रु.)
12% ऋणपत्र	1,50,000
ऋणपत्र मोचन निधि	1,25,000
ऋणपत्र मोचन निधि निवेश	1,25,000

ऋणपत्र मोचन निधि निवेश का प्रतिनिधित्व 1,30,000, 9% की सरकारी प्रतिमूलियों द्वारा किया गया है।

निधि में जोड़ी गयी वार्षिक किस्तों हेतु राशि 20,600. रु. थी। मार्च 31, 2001 को निवेश पर ब्याज प्राप्त करने से पहले बैंक शेष 40,000 रु. था। उस तिथि पर समस्त ऋणपत्रों को 84% पर बेचा गया और ऋणपत्रों को यथावत मोचित किया गया।

वर्ष 2000-2001 के लिए बैंक खाते तथा ऋणपत्र खाता, ऋणपत्र मोचन निधि खाता, ऋणपत्र मोचन निधि निवेश खाता तैयार करें। कंपनी अपनी खाता पुस्तकें प्रतिवर्ष 31 मार्च को बंद करनी है।

हल

मुध लिमिटेड की पुस्तकें

ऋणपत्र मोचन निधि खाता

नाम *जमा*

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*	*तिथि*	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*
31 मार्च 2001	ऋणपत्र मोचन निधि निवेश (विक्रय पर हानि)		15,800	1 अप्रैल 2001	शेष आ/ला		1,25,000
	सामान्य निधि (हस्तांतरण)		1,41,500	31 मार्च 2001	ऋणपत्र मोचन निधि निवेश खाते पर ब्याज (9% 1,30,000 रु. पर) लाभ व हानि		11,700
					विनियोजन		20,600
			1,57,300				**1,57,300**

© NCERT not to be republished

ऋणपत्र मोचन मोचन निधि निवेश खाता

तिथि	विवरण	ब.पृ. सं.	राशि (रु.)	तिथि	विवरण	ब.पृ. सं.	राशि (रु.)
2001 1 अप्रैल	शेष आ/ला (अंकित मूल्य 1,30,000 रु.)		1,25,000	2000 13 मार्च	बैंक (1,30,000 रु. का 84%) हानि को ऋणपत्र मोचन मोचन निधि में हस्तांतरित किया गया		1,09,200 15,800
			1,25,000				**1,25,000**

बैंक खाता

तिथि	विवरण	ब.पृ. सं.	राशि (रु.)	तिथि	विवरण	ब.पृ. सं.	राशि (रु.)
2001 31 मार्च	शेष आ/ला ऋणपत्र मोचन निधि निवेश पर ब्याज ऋणपत्र मोचन निधि निवेश(विक्री प्रक्रिया)		40,000 11,700 1,09,200	2000 31 मार्च	ऋणपत्र अंतिम शेष		1,50,000 10,900
			1,60,900				**1,60,900**

12% ऋणपत्र खाता

तिथि	विवरण	ब.पृ. सं.	राशि (रु.)	तिथि	विवरण	ब.पृ. सं.	राशि (रु.)
2001 31 मार्च	बैंक		1,50,000	2000 31 अप्रैल	शेष आ/ला		1,50,000
			1,50,000				**1,50,000**

कार्यकारी टिप्पणी: 1. 1,30,000 रु. के 9% ऋणपत्र मोचन निधि निवेश पर ब्याज की राशि 11,700 रु. है। 2. निवेश पर ऋण की वसूली हुइ। अंत: 1,30,000 रु. के निवेश 1,09200 पर वसूल किये गये।

© NCERT not to be republished

स्वयं जाँचिये 2

निम्नलिखित बहु-विकल्पी चुनाव प्रश्नों में सही उत्तर चुनें:

1. वे ऋणपत्र जो सुपुर्दगी द्वारा हस्तांतरित होते हैं- उन्हें .... ऋण पत्र कहते हैं।
   (क) पंजीकृत ऋणपत्र (ख) प्रथम ऋणपत्र
   (ग) वाहक ऋणपत्र ऋणपत्र
2. एक्स कं. लि॰ की खाता पुस्तकों में निम्न रोजनामचा प्रविष्टियाँ हैं-

बैंक खाता	नाम	4,75,000
ऋणपत्र निर्गम पर हानि खाता	नाम	75,000
12% ऋणपत्र खाते से		
ऋणपत्रों के मोचन पर प्रीमियम खाते से		

   बताएँ, ऋणपत्रों का निर्गम कितने बट्टे कि किस दर पर हुआ है।
   (क) 15% (ख) 5% (ग) 10%
3. एक्स लिमिटेड ने 28,80,000 मूल्य की परिसंपतियाँ खरीदी। इसने 100 रु. प्रत्येक पर 4% ऋणपत्रों को खरीद प्रतिफल के रूप में पूर्ण भुगतान हेतु निर्गमित किए। विक्रेता को जारी किए गए ऋणपत्रों की संख्या थी-
   (क) 30,000 (ख) 32,000 (ग) 32,000
4. परिवर्तनीय ऋणपत्रों को बट्टे पर नहीं निर्गमित किया जा सकता, यदि:
   (क) उन्हें तत्काल ही परिवर्तित करना हो;
   (ख) उन्हें तत्काल ही परिवर्तित नहीं किया जाना है;
   (ग) उपर्युक्त में कोई नहीं
5. एक ऋणपत्र के निर्गम पर बट्टे को तुलन पत्र में निम्न शीर्ष में दिखाते हैं-
   (क) लाभ व हानि खाता
   (ख) फुटकर व्यय
   (ग) ऋणपत्र खाता
6. जब ऋणपत्र को सममूल्य पर जारी किया जाता है और एक प्रीमियम पर मोचित किया जाता है तब इस प्रकार के निर्गम पर हानि किस खाते के नाम पक्ष में दर्शाते हैं।
   (क) लाभ व हानि खाता
   (ख) ऋणपत्र आवेदन व आबंटन खाता
   (ग) ऋणपत्र निर्गम पर हानि खाता।
7. व्यवसाय के खरीदने के समय खरीद प्रतिफल पर निवल परिसंपत्तियों का आधिक्य मूल्य कहाँ किया जाता है-
   (क) सामान्य आरक्षित
   (ख) पूँजी आरक्षित
   (ग) विक्रेता का खाता

© NCERT not to be republished

8. जब सभी ऋणपत्र मोचित हो जाते हैं तथा ऋणपत्र मोचन निधि के खाते के शेष को किसमें हस्तांतरित किया जाता है
   (क) पूंजी आरक्षित
   (ख) सामान्य आरक्षित
   (ग) लाभ व हानि विनियोजन खाता
9. ऋणपत्र मोचन निधि निवेश के अंकित और पुस्तक मूल्य क्रमशः 1,10,000 रु. और 96,000 रु. है। कंपनी 30,000 रु. के अंकित मूल्य को निवेशों को उस राशि पर बेचती है जो कि केवल 10% प्रीमियम पर ऋणपत्रों के मोचन हेतु पर्याप्त है। बताएँ, निवेश के विक्रय पर लाभ की राशि क्या है।
   (क) 4,200 रु. (ख) 3,000 रु. (ग) कुछ भी नहीं
10. स्वयं के ऋणपत्र वे प्रपत्र हैं जो कंपनी
    (क) अपने ही प्रवर्तकों को आबंटित करती है।
    (ख) अपने निदेशकों का आबंटित करती है
    (ग) बाजार से खरीदती है और निवेश के रूप में अपने पास रखती है।
11. स्वयं के ऋणपत्रों के रद्दीकरण का हस्तांतरण किया जाता है।
    (क) लाभ एवं हानि विनियोजन खाते में
    (ख) ऋणपत्र मोचन निधि में
    (ग) पूंजी निधि
12. जब ऋणत्रों का मोचन लाभों में से किया जाता है, तब समान राशि को
    (क) सामान्य निधि में हस्तांतरित करते हैं
    (ख) ऋणपत्र मोचन निधि में
    (ग) पूंजी निधि
13. ऋणपत्र मोचन निधि निवेश की बिक्री पर हुए लाभ को पहली बार जमा में डालते हैं–
    (क) ऋणपत्र मोचन निधि खाता
    (ख) लाभ व हानि विनियोजन खाता
    (ग) सामान्य निधि खाता
14. निवेश के वसूलीकरण के पश्चात निक्षेप निधि निवेश खाते के शेष का हस्तांतरण किस खाते में किया जाता है।
    (क) लाभ व हानि खाता
    (ख) ऋणपत्र खाता
    (ग) निक्षेप निधि खाता
15. जब ऋणपत्रों का निर्गम एक बट्टे पर और मोचन प्रीमियम पर होता है तो निम्न में किस खाते को निर्गम के समय नामे किया जाता है।
    (क) ऋणपत्र खाता
    (ख) ऋणपत्र खाते के मोचन पर प्रीमियम खाता
    (ग) ऋणपत्र के निर्गम पर हानि खाता

© NCERT not to be republished

स्वयं जाँचिये - 3

I. निम्नलिखित लेनदेनों के लिये बताएँ किस खाते को नाम किया जाएगा।

1. विक्रेता को व्यवसाय-खरीद के प्रतिफल के रूप में ऋणपत्रों का निर्गम
2. ऋणपत्रों के मोचन पर निक्षेप निधि के सृजन हेतु अलग राशि रखने पर
3. ऋणपत्रों के मोचन के बाद ऋणपत्र मोचन निधि खाते का शेष
4. कंपनी द्वारा अपने स्वयं के ऋणपत्रों का क्रय।
5. ऋणपत्रों के निर्गम पर बटटे के अपलेखन करने पर।

II. निम्नलिखित लेनदेनों के लिये बताएँ किस खाते को जमा किया जाएगा।

6. ऋणपत्रों का बटटे पर निर्गम और सममूल्य पर मोचन
7. निक्षेप निधि निवेश के ब्याज को निक्षेप निधि खाते में हस्तांतरण करना
8. ऋणपत्र के मोचन के पश्चात ऋणपत्र मोचन निधि खाते के शेष का हस्तांतरण।
9. निक्षेप निधि निवेश बिक्री पर लाभ खाता
10. ऋणपत्र के निर्गम पर हानि के अपलेखन पर।

स्वयं करें

1. जी लिमिटेड के पास 100 रु. के प्रत्येक, 800 लाख के 10% ऋणपत्र हैं जो मार्च 31, 2003 को मोचनीय हैं। मान लीजिए कि उस तिथि पर ऋणपत्र मोचन निधि का शेष 3,40,00,00,000 है ऋणपत्रों के मोचन पर आवश्यक प्रविष्टियाँ दें।
2. आर लिमिटेड ने 5% प्रीमियम पर 50 रु. प्रत्येक पर 88,00,000, 8% ऋणपत्र जारी किये जिनका मोचन जून 30, 2003 को सममूल्य पर 2 रु. प्रीमियम सहित प्रत्येक अंश 20 रु. पर अंशों में परिवर्तन करके किया जाएगा। ऋणपत्रों के मोचन की आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ करें।
3. सी लिमिटेड के पास 1 अप्रैल 2003 को 200 रु. प्रत्येक के 11,00,000, 10% ऋणपत्र हाथ में शेष हैं। प्रबंध निदेशकों ने यह तय किया है कि कंपनी स्वयं के ऋणपत्रों में से 20% ऋणपत्रों को क्रय करके रद्द करेंगी। आवश्यक प्रविष्टियाँ करें।
4. सममूल्य पर जारी 1,000 ,12% ऋणपत्रों के मोचन पर आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टयाँ दें।
   (क) 100 रु. प्रत्येक के 12% अधिमान अंशों में परिवर्तित कर सममूल्य पर ऋणपत्रों का मोचन।
   (ख) सममूल्य पर निर्गमित समता अंशों में परिवर्तित कर 10% प्रीमियम पर ऋणपत्रों का मोचन।
   (ग) 25% प्रीमियम पर समता अंशों में परिवर्तित कर 10% प्रीमियम पर ऋणपत्रों का मोचन।
5. 31.1.2005 को जनता लिमिटेड ने 88,00,000 के 6% ऋणपत्रों को 20 रु. प्रति समता अंश में 2 रु. प्रति अंश प्रीमियम के साथ परिवर्तित किया-
6. अनिरूद्ध निमिटेड के पास 31 मार्च 2005 पर मोचन हेतु देय 100 रु. प्रत्येक के 4000, 8% ऋणपत्र हैं। कंपनी के पास उक्त तिथि के लिए 150,000 रु. की ऋणपत्र मोचन निधि है। यह मानलें कि कोई भी ब्याज बकाया नहीं है और ऋणपत्र के निर्गम के समय की आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ दें।

© NCERT not to be republished

उदाहरण 34

कंपनी की खाता-पुस्तकों में 1 जनवरी 2000 को निम्नलिखित शेष उप्लब्ध है-

12% ऋणपत्र	4,00,000 रु.
12% ऋणपत्र निक्षेप निधि	3,00,000 रु.
12% ऋणपत्र निक्षेप निधि निवेश	3,00,000 रु.

(भारत सरकार की 4,00,000 रु. के 10% सुरक्षित बंध-पत्र से प्रतिनिधित्व) 31 दिसं॰ को प्रतिवर्ष 60,000 रु. की वार्षिक भागीदारी निक्षेप निधि में की जाती है। 31 दिस. 2000 को ऋणपत्र निक्षेप निधि निवेश के ब्याज प्राप्ति के बाद बैंक का शेष 3,00,000 रु. था। कंपनी ने 18% की हानि पर निवेशों को बेचा और ऋणपत्र का भुगतान कर दिया गया। आपसे अपेक्षा की जाती है कि वर्ष 2000 के लिए निम्नलिखित खाते तैयार करें।

(i) ऋणपत्र खाता
(ii) ऋणपत्र निक्षेप निधि खाता
(iii) ऋणपत्र निक्षेप निधि निवेश खाता
(iv) बैंक खाता

हल

12% ऋणपत्र खाता

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*	*तिथि*	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*
2000 31 दिसं.	बैंक		4,00,000	2000 1 जन.	शेष आ/ले		4,00,000
			4,00,000				**4,00,000**

12% ऋणपत्र खाता

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*	*तिथि*	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*
2000 31 दिसं.	सामान्य निधि		4,28,000	2000 1 जन.	शेष आ/ला		3,00,000
				31 दिसं.	लाभ व हानि विनियोग		60,000
				31 दिसं.	ऋणपत्र निक्षेप निधि निवेश पर ब्याज		40,000
				31 दिसं.	ऋणपत्र निधि निवेश		28,000
			4,28,000				**4,28,000**

© NCERT not to be republished

12% ऋणपत्र निक्षेप निधि निवेश खाता

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*	*तिथि*	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*
31 जन. 2000	शेष आ/ला		3,00,000	31 दिसं. 2000	बैंक		3,28,000
31 दिसं.	ऋणपत्र निक्षेप निधि में लाभ का हस्तांतरण		28,000				
			3,28,000				**3,28,000**

बैंक खाता

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*	*तिथि*	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*
2000 1 जन.	शेष आ/ला 3,00,000 रु. के शेष में शामिल हैं ब्याज के 40,000 रु. 10% की दर से 4,00,000 रु. पर (4,00,000 के सुरक्षित बंध-पत्र है)		3,00,000	31 दिसं. 2000	12% ऋणपत्र		4,00,000
					शेष आ/ला		2,28,000
31 दिसं.	12% ऋणपत्र निक्षेप निधि निवेश		3,28,000				
			6,28,000				**6,28,000**

उदाहरण 35

एक कंपनी की खाता पुस्तकों में 31.3.2003 को निम्नलिखित शेष उपलब्ध हुए–

12% ऋणपत्र 10,00,000 रु.

ऋणपत्र मोचन निधि 10,00,360 रु.

ऋणपत्र मोचन निधि निवेश इस प्रकार है–

4,00,000 रु. 9% ऋण 3,80,000 रु.

7,00,000 रु. 8% सरकारी प्रपत्र 6,20,360 रु.

उपयुक्त तिथ पर निवेशों को निम्नानुसार बेंचा गया: 9% ऋण सममूल्य पर एवं 8% सरकारी प्रपत्रों को अंकित मूल्य के 90% पर। ऋणपत्रों को यथानुसार मोचित किया गया। आवश्यक बही-खाते तैयार करें।

© NCERT not to be republished

हल

12% ऋणपत्र खाता

नाम *जमा*

तिथि	विवरण	ब.पृ. सं.	राशि (रु.)	तिथि	विवरण	ब.पृ. सं.	राशि (रु.)
31.3.03	बैंक		10,00,000	31.3.03	आ/ला **शेष**		10,00,000
			10,00,000				**10,00,000**

ऋणपत्र मोचन निधि खाता

नाम *जमा*

तिथि	विवरण	ब.पृ. सं.	राशि (रु.)	तिथि	विवरण	ब.पृ. सं.	राशि (रु.)
31.3.2003	सामान्य निधि		10,30,000	31.3.2003	आ/ला शेष		10,00,360
					ऋणपत्र मोचन निधि निवेश खाता		29,640
			10,30,000				**10,30,000**

ऋणपत्र मोचन निधि निवेश खाता

नाम *जमा*

तिथि	विवरण	ब.पृ. सं.	राशि (रु.)	तिथि	विवरण	ब.पृ. सं.	राशि (रु.)
31.3.03	शेष आ/ला			31.3.03	बैंक (9% ऋण)		4,00,000
	9% ऋण		3,80,000	31.3.03	बैंक (8% सरकारी प्रपत्र)		6,30,000
	8% सरकारी प्रपत्र		6,20,360				
	ऋणपत्र मोचन निधि खाता		29,640				
			10,30,000				**10,30,000**

© NCERT not to be republished

बैंक खाता

नाम *जमा*

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*	*तिथि*	*विवरण*	*ब.पृ. सं.*	*राशि (रु.)*
	ऋणपत्र			31.3.03	12% ऋणपत्रों		10,00,000
	मोचन निधि निवेश:			31.3.03	शेष आ/ले		30,000
	9% ऋण		4,00,000				
	8% सरकारी प्रपत्र		6,30,000				
			10,30,000				**10,30,000**

बैंक शेष नहीं दिया गया है

इस अध्याय में प्रयुक्त शब्द

1. ऋणपत्र
2. बंध-पत्र (बॉड)
3. बंधक ऋणपत्र
4. स्थायी ऋणपत्र
5. शून्य कूपन दर ऋणपत्र
6. विशिष्ट कूपन दर ऋणपत्र
7. पंजीकृत ऋणपत्र
8. वाहक ऋणपत्र
9. प्रभार
10. स्थिर प्रभार
11. चल प्रभार
12. प्रथम प्रभार
13. परिपक्वता तिथि
14. मूल/मूल्य
15. ऋणपत्र निर्गम पर हानि बट्टा
16. क्रय प्रतिफल
17. ऋणपत्र का मोचन
18. लाटरी द्वारा निकालने पर
19. स्वयं के ऋणपत्र
20. पूँजी में से मोचन
21. लाभों से मोचन
22. परिवर्तनीय ऋणपत्रों का मोचन
23. ऋणपत्र निक्षेप निधि
24. संपार्श्विक प्रतिभूति
25. द्वितीय प्रभार
26. खुले बाजार से ऋणपत्रों का क्रय

सारांश

ऋणपत्र: ऋणपत्र कर्ज या ऋण की अभिस्वीकृति या अभिज्ञापन है। यह एक ऋण पूँजी है जो कंपनी द्वारा जनता से उगाही जाती है। ऐसी लिखित स्वीकृति के धारक को ऋणपत्र धारक कहा जाता है।

बंध-पत्र (बॉड): बंधपत्र विषय-वस्तु एवं प्रकृति में ऋणपत्र के समान ही होता है इन दोनों के बीच अंतर केवल इतना है कि इनके निर्मम की स्थितियाँ निम्न हैं अर्थात बंध-पत्रों को बिना किसी पूर्व निर्धारित ब्याज करके निर्गमित किया जा सकता है जैसा कि **डीप डिस्काउंट** बंध-पत्रों के मामले में होता है।

© NCERT not to be republished

प्रभार: प्रभार न्यास विलेख के अंतर्गत देनदारियों को पूरित एक ऋण भार होता है जिसके तहत् कंपनी किसी विशष्टि भाग को बंधक रखने पर सहमत होती है। प्रथम प्रभार में ऋण की वापसी परिसंपत्तियों की निवल मूल्य पर वसूली जाती है। प्रथम प्रभार धारकों के भुगतान के पश्चात ही द्वितीय प्रभार धारकों को भुगतान दिया जाता है।

ऋणपत्र के प्रकार: ऋणपत्र विभिन्न प्रकार के होते हैं जैसे कि सुरक्षित एवं असुरक्षित ऋणपत्र, मोचनीय एवं स्थायी ऋणपत्र, परिवर्तनीय एवं अपरिवर्तनीय ऋणपत्र, शून्य दर एवं विशिष्ट कूपन पर, पंजीकृत एवं वाहक ऋणपत्र।

ऋणपत्रों का निर्गमन: सममूल्य पर निर्गमित ऋणपत्र उन्हें कहा जाता है जब उन पर संकलित की गई राशि अंकित मूल्य के समान होती है। यदि निर्गम मूल्य साधारण या अंकित मूल्य से अधिक होती है। इसे एक प्रीमियम पर निर्गम कहा जाता है। यदि निर्गम का मूल्य साधारण या अंकित मूल्य से कम होता है तो उसे बट्टे पर निर्गमन कहा जाता है। प्रीमियम के रूप में प्राप्त की गई राशि 'प्रतिभूति प्रीमियम खाते' में जमा की जाती है जबकि बट्टे की राशि को ''निर्गम पर बट्टे/हानि'' में नामे किया जाता है जिसे एक समयावधि के दौरान अपलिखित किया जाता है।

रोकड़ के अतिरिक्त ऋणपत्र का निर्गम: कई बार एक ऋणपत्र को विक्रेता या स्वताधिकार एकस्व के आपूरक या बैंकिंक संपदा अधिकारों के हस्तारंण पर रोकड़ के रूप में राशि प्राप्त किये बिना ही अधिमान आधार पर ऋणपत्र निर्गमित किए जाते हैं।

क्रयप्रतिफल: क्रय प्रतिफल राशि है जो एक कंपनी प्रतिफल के रूप में परिसंपत्ति/व्यवसायिक फर्म के क्रय पर विक्रेता/विक्रय कंपनी को देती है।

संपर्श्विक प्रतिभूति: प्राथमिक प्रतिभूति के अलावा कोई अतिरिक्त या सहायक प्रतिभूति 'संपर्श्विक प्रतिभूति' कहलाती है।

ऋणपत्र का मोचन: इसका तात्पर्य है कि ऋणपत्र धारकों को ऋणपत्र के परिशोधन (भुगतान वापसी) द्वारा ऋणपत्र/बंध-पत्र के खातों पर देनदारियों से छुटकारा या मुक्ति होती है। सामान्यत: ऋणपत्र का मोचन अवधि की समाप्ति पर होती है जिन पर उन्हें निर्गमित किया गया था। वैसे यह निर्गम के नियम एवं शर्तों पर निर्भर होता है।

अभ्यास हेतु प्रश्न

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. एक ऋणपत्र से क्या तात्पर्य है?
2. एक वाहक ऋणपत्र का क्या मतलब है?
3. 'एक संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमित' ऋणपत्र का अर्थ बताइए।
4. 'रोकड़ के अलावा प्रतिफल हेतु ऋणपत्र का निर्गम' से क्या तात्पर्य है?
5. 'बट्टे पर ऋणपत्र का निर्गम तथा प्रीमियम पर मोचनीय' से क्या तात्पर्य है?
6. पूंजी आरक्षित क्या है?
7. 'अमोचनीय ऋणपत्र' से क्या तात्पर्य है?
8. 'परिवर्तनीय ऋणपत्र' क्या है?
9. 'बंधक ऋणपत्र' से क्या तात्पर्य है?

© NCERT not to be republished

10. ऋणपत्र के निर्गम पर बट्टा क्या होता है?
11. 'ऋणपत्र के मोचन पर प्रीमियम' का क्या अर्थ है?
12. ऋणपत्र पत्र अंश से भिन्न क्यों होते हैं, दो अंतर बताइये?
13. उस शीर्ष का नाम बताइए जिसके अंतर्गत कंपनी के तुलन पत्र में 'ऋणपत्र का बट्टे पर निर्गम' को दर्शाया जाता है।
14. 'ऋणपत्र का मोचन' से क्या तात्पर्य है?
15. क्या एक कंपनी स्वयं के ऋणपत्र खरीद सकती है?
16. परिवर्तनीयता के आधार ऋणपत्र का मोचन से क्या तात्पर्य है?
17. 'ऋणपत्र को मोचन पर प्रीमियम' से आप कैसे निपटान करेंगे?
18. 'पूंजी में से मोचन' का क्या तात्पर्य है?
19. 'खुले बाजार से क्रय' द्वारा ऋणपत्र के मोचन से क्या तात्पर्य है?
20. तुलन पत्र में 'ऋणपत्र मोचन निधि' को किस शीर्ष में प्रदर्शित किया जाता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. एक ऋणपत्र से क्या तात्पर्य है? विभिन्न प्रकार के ऋणपत्रों की व्याख्या कीजिए?
2. ऋणपत्र एवं अंश के बीच अंतरस्पष्ट कीजिए। ऋणपत्र को एक कर्ज के रूप में क्यों जाना जाता है, व्याख्या कीजिए।
3. 'संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमित ऋणपत्र' के तात्पर्य का वर्णन कीजिए। खाता पुस्तकों में ऋणपत्र के निर्गम हेतु लेखांकन व्यवहार बताएँ।
4. खाता पुस्तकों में 'ऋणपत्र का बट्टे पर निर्गम' को कैसे निरूपित किया जा सकता है? आप ऋणपत्र के निर्गम पर बट्टे' तव कैसे निपटान करेंगे, जब ऋणपत्रों का मोचन किस्तों में किया जाता है।
5. ऋणपत्रों के मोचन को ध्यान में रखते हुए ऋणपत्र निर्गम की विभिन्न शर्तो की व्याख्या कीजिए।
6. पूँजी में से और लाभ में से ऋणपत्र मोचन के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए।
7. 'ऋणपत्र मोचन निधि' बनाने के लिए सेबी के मार्गनिर्देशों की व्याख्या कीजिए।
8. ऋणपत्रों के मोचन के लिए निक्षेप निधि बनाने के लिए उठाए जाने वाले चरणों का वर्णन कीजिए।
9. क्या कंपनी खुले बाजार से स्वयं के ऋणपत्र खरीद सकती है? व्याख्या कीजिए।
10. ऋणपत्र की परिवर्तनीयता' से क्या तात्पर्य है, ऐसी परिवर्तनीयता की विधियों का वर्णन कीजिए।

© NCERT not to be republished

संख्यात्मक प्रश्न

1. जी लिमिटेड ने 50 रु. प्रत्येक के 75,00,000, 5% ऋणों को सममूल्य पर निर्गमित किया जिसमें 15 रु. आवेदन पत्र पर शेष 31 रु. आबंटन पर दय हैं। यह निर्गम की तिथि से सात वर्ष बाद मोचनीय है। कंपनी की खाता पुस्तकों के लिए आवश्यक प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें।

2. वाई लिमिटेड ने 100 रु. प्रत्येक के 2,000, 5% ऋणपत्र निर्गमित किए जिनका निम्नवत भुगतान करना है– 25 रु. आवेदन के साथ, 50 रु. आबंटन पर तथा 25 रु. प्रथम व अंतिम मोंग पर देय है। प्रविष्टियाँ तैयार करें।

3. ऐ लिमिटेड ने 5% प्रीमियम पर 100 रु. प्रत्येक के 10,000, 10% ऋणपत्र निम्नवत् भुगतान पर निर्गमित किए–
   10 रु. आवेदन पर; 20 रु. आबंटन पर प्रीमियम के साथ तथा शेष राशि पहली एवं अंतिम मांग पर देय है। आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ करें।

4. ऐ. लिमिटेड ने 8% के बट्टे पर 50 रु. प्रत्येक के 90,00,000, 9% ऋणपत्र पर जारी किए जो 9 वर्ष बाद सममूल्य पर मोचनीय हैं। ए लिमिटेड की खात पुस्तकों हेतु आवश्यक प्रविष्टियाँ करें।

5. ऐ लिमिटेड ने निम्नलिखित शर्तों पर 100 रु. प्रत्येक के 4,000, 9% ऋणपत्र जारी किए–
   20 रु. आवेदन पर
   20 रु. आबंटन पर
   30 रु. प्रथम मांग पर, और
   30 रु. अंतिम मांग पर
   जनता ने 4,800 ऋणपत्रों के लिए आवेदन दिए। 3,600 आवेदनों को पूर्ण ऋणपत्र पर स्वीकार किया गया। 800 आवेदनों के लिए 400 आवेदनों को अस्वीकृत कर दिया गया। आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टयाँ दें।

6. टी लिमिटेड ने 30 जून 2002 को 10% प्रीमियम पर रु. 500 प्रत्येक के 20,0,000, 8% ऋणपत्रों को निर्गमित किया जिसमें 200 रु. आबंटन पर (प्रीमियम सहित) और शेष आबंटन पर देय था तथा 8 वर्षों में मोचनीय था। लेकिन उन्हें 3,00,000 ऋणपत्रों हेतु आवेदन प्राप्त हुए तथा समानुपात आधार पर आबंटन किया गया। आवेदन और आबंटन की बकाया राशि यथानुसार प्राप्त हुई। ऋणपत्र निर्गम से संबंधित सभी आवश्यक प्रविष्टियाँ अभिलिखित कीजिए।

7. एक्स लिमिटेड ने 100 रु. प्रत्येक 10,000, 14% ऋणपत्र निर्गमित किए जिसमें 20 रु. आवेदन पर, 60 रु. आबंटन पर तथा शेष भागें पर देने थे। कंपनी ने 13,500 ऋणपत्रों के आवेदन प्राप्त किए। इनमें से 8,000 को ऋणपत्र दिए गए जबकि 5,000 को 40% मात्र दिए गए और शेष को अस्वीकृत कर दिया गया अंशत: आबंटित आवेदनों पर प्राप्त अधिक पर प्रयोग किया गया। सभी बकाया राशियों को यथानुसार प्राप्त किया गया। आवश्यक प्रविष्टियाँ बताइए।

8. आर लिमिटेड ने 200 रु. प्रत्येक 20,00,000, 10% ऋणपत्र 7% बट्टे के साथ निर्गमित किए जो 9 वर्षों के बाद 8% प्रीमियम के साथ मोचनीय थे। आर लिमिटेड की खाता पुस्तकों में आवश्यक प्रविष्टियाँ दें।

© NCERT not to be republished

9. एम लिमिटेड ने एस लिमिटेड से 9,00,00,000 रु. की परिसंपत्तियाँ खरीदी तथा 70,00,000 की देनदारियों को जिम्मेदारी भी ली और 100 रु. प्रत्येक के 8% ऋणपत्र जारी किए एम लिमिटेड की खाता पुस्तकों में आवश्यक प्रविष्टियाँ दें।

10. बी लिमिटेड ने मोहन ब्रादर्स से 4,00,000 रु. की खाता-मूल्य वाली परिसंपत्तियाँ खरीदीं और 50,000 की देनदारियों की ज़िम्मेदारियों में प्राप्त की। यह तय हुआ कि खरीद प्रतिफल के रूप में 3,80,000 रु. का भुगतान 100 रु. प्रत्येक के ऋणपत्र द्वारा किया जाएगा।
इन तीन प्रकरणों में क्या रोजनामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित की जाएंगी यदि ऋणपत्रों का निर्गमण (क) सममूल्य पर (ख) बट्टे पर तथा 10% प्रीमियम पर किया गया है।
यह भी तय हुआ कि ऋणपत्रों पर कोई भी विवाद आने पर इन्हें रोकड़ में भुगतान किया जाएगा।

11. एक्स लिमिटेड ने वाई लिमिटेड से क्रय प्रतिफल के रूप में 4,40,000 की एक मशीनरी खरीद की सहमति बनाई और यह तय हुआ कि भुगतान 100 रु. प्रत्येक के 12% ऋणपत्रों द्वारा प्रति ऋणपत्र 10 रु. प्रीमियम के साथ चुकता किया जाएगा। लेन-देन की रोजनामचा प्रविष्टियाँ दें।

12. एक्स लिमिटेड ने 15,000, 10% ऋणपत्रों को 100 रु. प्रत्येक के अनुसार निर्गमित किया, निम्न मामलों में रोजनामचा प्रविष्टियाँ एवं तुलन पत्र बनाइए-
    (i) ऋणपत्रों का निर्गमन 10% प्रीमियम पर हुआ।
    (ii) ऋणपत्रों को 5% बट्टे पर जारी किया गया।
    (iii) ऋणपत्रों को बैंक के 12,00,000 रु. पर प्राप्त ऋण हेतु संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमित किया।
    (iv) ऋणपत्रों को 13,50,000 की मशीनरी खरीद पर विक्रेता को जारी किए गए।

13. निम्न की रोजनामचा प्रविष्टियाँ दें-
    (i) एक 100 रु. के ऋणपत्र को 95 रु. में जारी किया गया।
    (ii) एक ऋणपत्र को 95 रु. के निर्गम किया गया जिसका मोचन 105 रु. हुआ।
    (iii) एक ऋणपत्र 100 रु. में निर्गमित हुआ तथा 105 रु. में परिशोधित हुआ।
    उपर्युक्त प्रत्येक मामले में ऋणपत्र का अंकित मूल्य 100 रु. था।

14. ए लिमिटेड ने 4 अप्रैल 2000 को 100 रु. प्रत्येक के 50,00,000, 8% ऋणपत्र 6 बट्टे के साथ जारी किए जो 4% प्रीमियम पर लाटरी के द्वारा मोचनीय है।
    (i) 20,00,000 ऋणपत्र मार्च 2002 में
    (ii) 10,00,000 ऋणपत्र मार्च 2004 में
    (iii) 20,00,000 ऋणपत्र मार्च 2005 में
    प्रतिवर्ष अपलिखित की जानी वाली बट्टे की राशि ज्ञात करें जब तक कि ऋणपत्रों का भुगतान नहीं हो जाता। साथ ही ऋणपत्रों के निर्गम पर बटटा हानि खाता तैया करें।

15. एक कंपनी ने निम्नानुसार ऋणपत्र निर्गमित किए-
    (i) 100 ग्राहक प्रत्येक के 10,000, 12% ऋणपत्र सममूल्य पर निर्गमित तथा 5 वर्ष 5% प्रीमियम पर मोचनीय।
    (ii) 100 रु. प्रत्येक के 10,000, 12% ऋणपत्रों को एक 10% बट्टे के साथ निर्गमित किए पर पांच वर्ष बाद सममूल्य पर मोचनीय थे।

© NCERT not to be republished

(iii) 100 रु. प्रत्येक के 5,000, 12% ऋणपत्रों को 5% प्रीमियम पर निर्गमित किया तथा 5 वर्ष बाद सममूल्य पर मोचनीय है।

(iv) 100 रु. प्रत्येक के 1,000, 12% ऋणपत्र एक मशीन विक्रेता को 9,500 रु. की मशीन खरीद हेतु निर्गम किए गए। ऋण 5 वर्ष बाद मोचनीय है।

(v) पाँच वर्ष की अवधि के लिए बैंक से 25,000 रु. के ऋण हेतु कंपनी ने 100 रु. प्रत्येक के 300 12% ऋणपत्र संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमित किये।

ऋण का निर्गम, दी गई अवधि के बाद ऋणपत्रों का परीशोधन हेतु रोजनामचा प्रतिष्टियाँ दें।

16. एक कंपनी ने 1 जनवरी 2001 के 6% बट्टे के साथ 5,00,000 रुपये के अंकित मूल्य के ऋणपत्र जारी किए। यह ऋणपत्र वार्षिक आहरणों पर प्रतिवर्ष 31 दिसंबर मोचनीय है। प्रबंध निदेशकों ने तय किया कि प्रतिवर्ष ऋणपत्र बटटे का उपलेखन किया जाएगा।
प्रतिवर्ष अपलिखित की जाने वाली बट्टे की राशि ज्ञात करें तथा आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ भी दीजिए।

17. एक कंपनी ने 1 जनवरी 2001 को 6% बट्टे पर 1,20,000 अंकित मूल्य के 10% ऋणपत्र निर्गमित किए। ऋणपत्रों का भुगतान 40,000 रु. के वार्षिक आहरणों में किया जाना है जो तीसरे वर्ष की समाप्ति पर शुरू होता है।
आप ऋणपत्रों के बट्टे का निपटान कैसे करेंगे।
कंपनी की खाता पुस्तकों में ऋणपत्र बट्टा खाता ऋणपत्र की अवधि के दौरान दिखाए। यह मानकर चलें कि कंपनी के खाते प्रतिवर्ष 31 दिसंबर को बंद होते हैं।

18. बी लिमिटेड ने 1 अप्रैल 2000 को 4,00,000 रु. के लिए 94% पर ऋणपत्र जारी किए जो 80,000 प्रतिवर्ष के अनुसार बराबर किस्तों में मोचनीय हैं। कंपनी अपने अंतिम खाते हर वर्ष 31 दिसंबर को तैयार करती है।
यदि कंपनी ऋणपत्रों के जीवन काल में ही ऋणपत्र पर बट्टे की राशि को अपलिखित करना चाहती है तो प्रत्येक लेखांकन वर्ष में अपलिखित बटटे की राशि ज्ञात करें। वर्ष– 2000 में 6,000 रु., 2001 में 6,800 रु., 2002 में 5,200 रु. में, 2003 में 36,000, 2004 में 2,000 रु.; तथा 2005 में 400 रु.)।

19. बी लिमिटेड ने 1 जनवरी 2005 को 5% बट्टे पर 100 रु. प्रत्येक के 1,000, 12% ऋणपत्र निर्गमित किए जो परिपक्वता अवधि पर 10% प्रीमियम के साथ्स मोचनीय हैं।
ऋणपत्र के निर्गम से संबंधित रोजनामचा प्रविष्टियाँ तैयार करें तथा 31 दिसंबर 2005 की समाप्ति अवधि से ऋणपत्र पर ब्याज यह मानकर परिकलित करे कि अर्धवार्षिक (30 जून व 31 दिसं. को) ब्याज देय है तथा स्रोत पर 10% टी डी एस कटौती होती है। लेखांकन वर्ष हेतु कलेंडर वर्ष मानकर चलें।

20. इन मामलों हेतु क्या रोजनामचा प्रविष्टियाँ की जाएगी जहाँ कंपनी ऋणपत्र अवधि पूरी होने पर सूचना भेज कर ऋणपत्र मोचित करती है– (क) ऋणपत्रों को सममूल्य पर इस शर्त में जारी किया कि मोचन एक प्रीमियम के साथ होगा (ख) जब ऋणपत्रों को इस शर्त के साथ प्रीमियम के साथ जारी किया गया कि मोचन सममूल्य पर होगा; और (ग) जब ऋणपत्रों को एक बट्टे पर जारी किया गया तथा प्रीमियम के साथ मोचिन किया गया।

© NCERT not to be republished

21. 1 जनवरी 1998 को, एक्स लिमिटेड ने 100 रु. प्रत्येक के 5,000, 8% ऋणपत्रों को सममूल्य पर तीन वर्ष की समाप्ति के अनुसार जारी किया।
यह निर्णय किया गया कि ऋणपत्रों के मोचन हेतु एक निवेश निधि बनाई जाए निवेश पर 4% प्रतिवर्ष की निवल वसूली पाने की संभावना है। निवेश निधि सारणी से ज्ञात है कि निवेश की अर्जन क्षमता 4% प्रति वर्ष है तीन वर्षो के अंत में 1 रुपये के मूल्य प्राप्ति हेतु प्रत्येक वर्ष 0.31411 रुपये निवेशित किये जाएँ जिसमें आर्जित ब्याज की राशि सम्मिलत है। 31 दिसंबर 2000 को बैंक का शेष 2,42,360 रु. था और निवेश 3,25,000 रु. वसूल पाया गया। ऋणपत्रों का भुगतान यथावत किया गया।
आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ दें तथा बही खाता तैयार करें
(**उत्तर:** निवेश की बिक्री पर हानि 2,246 रु.)

22. एक कंपनी ने 1 जनवरी 2005 को 10,00,000 रु. 15% ऋणपत्र सममूल्य पर जारी किए। ये ऋणपत्र सममूल्य 31 दिसं. 2003 से तीन वर्ष बाद सममूल्य पर मोचनीय थे। ऋणपत्रों के मोचन हेतु निक्षेप निधि स्थापित की गई। इस खाते की राशि को 6% की सरकारी प्रतिभूतियों में 100 रु. प्रत्येक पर निवेशित किया गया। निक्षेप निधि सारणी दर्शाती है कि 3 वर्षो के अंत में 1 रु. की प्राप्ति के लिये यदि निवेश की अर्जन क्षमता 6% प्राति वर्ष है तो उस पर प्राप्त ब्याज राशि सहित प्रत्येक वर्ष 0.31411 रु. निवेशित किये जाएँगे। 31 दिसं. 2005 को समस्त सरकारी प्रतिभूतियों को 6,000 की कुल हानि पर बेचा गया तथा ऋणपत्रों को सममूल्य पर मोचित किया गया।
ऋणपत्र खाता, निक्षेप निधि खाता, निक्षेप निधि निवेश खाता तथा निक्षेप निधि निवेश पर ब्याज खाता तैयार करें, कंपनी अपनी खाता-पुस्तकों को प्रतिवर्ष 31 दिसंबर को बंद करती है।

23. 1 जनवरी 2004 को जेड लिमिटेड की खाता पुस्तकों में निम्न शेष प्रकट होता है:

	रु.
6% ऋणपत्र	100,000
ऋणपत्र मोचन निधि (फंड)	80,000
ऋणपत्र मोचन निधि निवेश	80,000
निवेश 4% सरकारी प्रतिभूतियों पर अंकित मूल्य	90,000

वार्षिक किस्त 16,400 रु. थी। 31 दिसं. 2004 को, बैंक शेष 26,000 रु. था।
(ऋणपत्र मोचन निधि निवेश की ब्याज प्राप्ति के बाद)। निवेश को 92% पर वसूल पाया गया। ऋणपत्रों को मोचित किया गया। प्रतिवर्ष का ब्याज भी दिया जा चुका है। मोचन से संबंधित बही-खाते तैयार करें।

24. ए लिमिटेड की खाता पुस्तकों पर 1 जनवरी 2004 को निम्नलिखित शेष उपलब्ध हुए-

	रु.
12% ऋणपत्र	4,00,000
ऋणपत्र मोचन निधि	3,60,000
ऋणपत्र मोचन निधि निवेश	3,60,000
प्रतिभूति प्रीमियम	30,000
बैंक शेष	1,00,000

1 जनवरी 2004 को कंपनी ने 105 प्रतिशत पर मोचित किया गया और सभी निवेश को बेचने के पश्चात् 3.48,000 फंड तैयार हुआ। आवश्यक बही-खाते तैयार करें।

not to be republished © NCERT

25. जेड लिमिटेड की खाता-पुस्तकों में 1 जनवरी 2004 को निम्नलिखित शेष उपलब्ध हुए।

	रु.
12% ऋणपत्र	1,50,000
ऋणपत्र मोचन निधि	1,25,000
ऋणपत्र मोचन निधि निवेश	1,25,000
(3% सरकारी प्रतिभूतियों द्वारा 1,47,500 रु. के प्रतिनिधित्व पर)	1,25,000

31.12.2004 को फंड में वार्षिक किस्त के 20,575 रु. जोड़े गए। निवेश पर ब्याज प्राप्त करने के पश्चात बैंक शेष 39,100 रु. था। इसी तिथि पर सभी निवेशों को 83% पर बेचा गया तथा ऋणपत्रों का यथानुसार मोचन किया गया।

वर्ष 2004 के लिए आवश्यक बही-खाते तैयार करें।

(**उत्तर:** बिक्री दर हानि 2,575 रु.)

26. ऋणपत्रों के मोचन पर तब कौन सी प्रविष्टियाँ की जाएंगी जब- (क) ऋणपत्रों का मोचन वार्षिक आहरणों द्वारा लाभ में से किया जाए (ख) ऋणपत्रों को लाटरी द्वारा निकाल कर पूंजी में से मोचित किया जाए (ग) ऋणपत्रों को खुले बाजार से खरीद कर मोचित किया जाए, जब निक्षेप निधि को ऋण मोचन हेतु न स्थापित किया गया हो तब (I) लाभ में से (II) पूंजी में से किया जाए।

27. ऐ लिमिटेड कंपनी ने 5% बट्टे पर 5,00,000 रु. के ऋणपत्र निर्गमित किए जो प्रति वर्ष 1,00,000 रु. की वार्षिक आहरण से परिशोधनीय है। कंपनी की खाता-पुस्तकों में पहले वर्ष की आवश्यक प्रविष्टियाँ दें।

28. एक्स लिमिटेड ने 1 जनवरी 2004 को 10% बट्टे पर 100 रु. प्रत्येक के 5,000, 10% ऋणपत्रों को 10% प्रीमियम पर मोचनीय बनाते हुए जारी किया जिन्हें 4 वर्षों के दौरान प्रतिवर्ष समान आहरणों के द्वारा लाभ में से मोचित किया जाना है।
प्रथम वर्ष के लिए बही खाते तैयार करें।

29. जेड लिमिटेड ने 1 जनवरी 2005 को 10% बट्टे पर 100 रु. प्रत्येक के 2000,14% ऋणपत्र जारी किए जो 10% प्रीमियम पर एक समान राशि में 4 वर्षों में आहरण कर लाभों में से मोचनीय हैं।
ऋणपत्रों के मोचन एवं निर्गम के समय, दोनों के लिए रोजनामचा प्रविष्टियाँ दें (ऋणपत्रों के निर्गम में हानि एवं ब्याज के लेखांकन व्यवहार को न करें)

30. ए लिमिटेड तत्काल रद्दीकरण के लिए खुले बाजार से 2,00,000 रु. के 92 रु. प्रत्येक पर स्वयं ऋणपत्र खरीदे। रोजनामचा प्रविष्टियाँ करें।

31. ए लिमिटेड ने निरसन के लिए 50,000 के स्वयं के 15% ऋणपत्रों को 98 रु. की दर पर खरीदे। इस खरीद पर 50 रु. का व्यय हुआ। 1 जनवरी 2002 को एक्स लिमिटेड ने 100 रु. प्रत्येक के 4,000, 7% ऋण पत्रों को 95 रु. में खरीदा।
निर्गम की शर्तें बताती हैं कि वर्ष 1999 में 2,00,000 रु. के ऋणपत्र को आहरण द्वारा सममूल्य पर या खुले बाजार से खरीद कर मोचित किए जाने चाहिए। इसमें व्यय की राशि 12,000 रु. है जिसे वर्ष 2002 में अपलिखित करना है कंपनी ने प्रत्येक वर्ष 40,000 रु. ऋणपत्रों पर बट्टा खाते से भी अपलिखित किये 2004 के अंत में मोचित किए जाने वाले ऋणपत्रों को आहरण द्वारा शोधन किया गया। 2005 के दौरान

© NCERT not to be republished

कंपनी ने निरसन के लिए 2,000 ऋणपत्रों को 31 दिसंबर में खुले बाजार से 98 रु. की दर से क्रय किया और इस पर 400 रु. व्यय हुए। ऋणपत्रों का ब्याज हर किलेंडर वर्ष के अंत में देय है।
इन लेन देनों को कंपनी खातों में डालते हुए रोजनामचा प्रविष्टियाँ अभिलिखित करें।

32. ए लिमिटेड द्वारा 100 रु. प्रत्येक के 8000, 12% ऋणपत्रों को मोचित किया जो 5% बट्टे पर निर्गम किए गए थे। यह मोचन ऋणपत्रों को 10 रु. प्रति समता अंश में बदल कर सममूल्य पर किया गया। आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ करें।

33. वाई लिमिटेड ने 100 रु. प्रत्येक के 4,800, 12% ऋणपत्रों को, जो कि सममूल्य पर निर्गमित थे, 110% पर 10 रु. प्रत्येक के समता अंशों में परिवर्तित कर 4% बटटे पर निर्गमित किया। रोजनामचा प्रविष्टियाँ दें।

34. जेड लिमिटेड ने 5% बट्टे साथ निर्गमित 2000, 12% ऋणपत्रों को, 25% प्रीमियम पर जारी 10 रु. प्रति अंश में परिवर्तित करके, मोचित किया रोजनामचा प्रविष्टियाँ दें।

35. एक्स लिमिटेड ने रु. 50 प्रत्येक के 1000, 12% ऋणपत्रों को 100 रु. प्रत्येक के 15% नए ऋणपत्रों में परिवर्तित करके मोचित किए हैं। रोजनामचा प्रविष्टियाँ दें।

स्वयं जाँचिए हेतु जाँच सूची

स्वयं जाचिये–1

1. सत्य, 2. असत्य, 3. सत्य, 4. असत्य, 5. सत्य, 6. सत्य, 7. असत्य, 8. असत्य, 9. सत्य, 10. असत्य, 11. असत्य, 12. असत्य

स्वयं जाचिये–2

1. (ग), 2. (ख), 3. (क), 4. (क), 5. (ख), 6. (ग), 7. (ख), 8. (ख), 9. (क), 10. (ग), 11. (ग), 12. (ख), 13. (क), 14. (ग), 15. (6)

स्वयं जाचिये–3

1. विक्रेता (विक्रीयी) खाता, 2. लाभ व हानि विनियोग खाता, 3. ऋणपत्र मोचन निधि खाता, 4. स्वाभ्य ऋणपत्र खाता, 5. लाभ व हानि खाता,

II. ऋणपत्र खाता, 2. निक्षेप निधि खाता, 3. सामान्य आरक्षित खाता, 4. ऋणपत्र मोचन निधि खाता, 5. ऋणपत्र-निर्गम पर हानि खाता

© NCERT not to be republished